वर्ष : 15 अंक : 49 प्रत्येक गुरुवार प्रकाशित अनूपपुर 07 से 13 दिसम्बर 2023 मूल्य 2.00 पृष्ठ 8 Epaper-www.fatwasamachar.com

डाक पंजी-SDL-0019/2025

RNI-MPHIN/2008/24599

फतवा

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ का लोकप्रिय समाचार पत्र

आपका विश्वास

सुविचार

कभी भी किसी को भला बुरा कहने से पहले यह अवश्य सोच ले कि यदि वही शब्द कोई आपसे कहे तो आपको कैसा प्रतीत होगा।

तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश में तबाही मचाने के बाद कमजोर पड़ा चक्रवात मिचौंग

17 लोगों की मौत

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार को बताया कि चक्रवात मिचौंग मध्य तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर गहरे दबाव के क्षेत्र में कमजोर हो गया है। चक्रवाती तूफान मिचौंग कमजोर होकर मध्य तटीय एपी पर गहरे दबाव में बदल गया। सेंट्रल कोस्टल एपी. बापटला से लगभग 100 किमी उत्तर-उत्तरपश्चिम और खम्मम से 50 किमी दक्षिणपूर्व में।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आधिकारिक आईएमडी हैंडल की एक पोस्ट के मुताबिक अगले 06 घंटों में और कमजोर हो जाएगा और उसके अगले छह घंटों के दौरान एक WML में बदल जाएगा। बता दें कि जैसे ही चक्रवात मिचौंग ने मंगलवार को दस्तक दी, चेन्नई में लगातार बारिश हुई, जबकि सोमवार से इसका प्रकोप काफी कम हो गया। मंगलवार, पांच दिसंबर को जारी एक विज्ञप्ति में, ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने कहा कि शहर में चक्रवात के कारण आई बाढ़ के कारण विभिन्न घटनाओं में 17 लोगों की मौत की सूचना है। पुलिस के अनुसार, डूबने और बिजली का झटका लगने की कम से कम 10 घटनाएं सामने आई हैं, जिनके लिए चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। इससे पहले, मंगलवार को डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा था कि तमिलनाडु सरकार 2015 की तुलना में स्थिति से निपटने के लिए कहीं अधिक तैयार है, जब लगातार बारिश के कारण चेन्नई में बाढ़ आ गई थी, जिससे जानमाल का नुकसान हुआ था। कनिमोझी ने मंगलवार को बताया पिछले दो दिनों में, हमारे यहां 33 सेमी से अधिक बारिश हुई, जो कि 2015 की तुलना में बहुत अधिक है। हालांकि, सरकार इस बार स्थिति से निपटने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित थी। कई लोगों को निचले इलाकों से निकाला गया है -झूठे इलाकों) और (राहत) आश्रयों में चले गए, । डीएमके सांसद ने कहा, 411 राहत आश्रयों की व्यवस्था पहले ही की जा चुकी है। अधिकांश इलाकों से पानी भी बाहर निकाल दिया गया है और 60-70 प्रतिशत से अधिक घरों में बिजली बहाल कर दी गई है। बंगाल की खाड़ी में उठा भीषण चक्रवाती तूफान मिचौंग मंगलवार दोपहर 100 किमी की गति से आंध्र प्रदेश में नेल्लोर और कवाली के बीच बापटला के पास तट से टकराया। इसके प्रभाव से आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों के अलावा चेन्नई में भी भारी बारिश हुई है। चेन्नई के निचले इलाके पानी में डूब गए हैं। दोनों राज्यों में 70 से अधिक उड़ानें और करीब 200 ट्रेनों का संचालन रद्द करना पड़ा है। तटीय इलाकों से 10,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। ओडिशा के तटीय इलाकों में भी भारी बारिश हो रही है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरआफ) की 29 टीमों के साथ ही राज्य की विभिन्न एजेंसियां राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। 17 जिलों में जीवन अस्तव्यस्त भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, मिचौंग दोपहर 12:30 से 2:30 बजे के बीच तट से टकराया। उस समय समुद्र में एक से डेढ़ मीटर ऊंची लहरें उठ रही थीं और तेज हवाएं चल रही थीं। आंध्र प्रदेश के आठ तटीय जिलों में जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। आंध्र में नेल्लोर सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। विजयवाड़ा, तिरुपति व विशाखापट्टनम में हवाई यातायात और रेल सेवाओं पर असर पड़ा है। 51 उड़ानें व 100 से ज्यादा ट्रेनें रद्द हुईं। तमिलनाडु में भी 20 से ज्यादा उड़ानें व लगभग 100 ट्रेनें रद्द की गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

अल्पसंख्यकों के लिए बजट बढ़ाने में गलत क्या है : सिद्धरमैया

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मंगलवार को आश्चर्य व्यक्त करते हुए सवाल किया कि अल्पसंख्यकों के लिए राज्य का बजट आवंटन बढ़ाने में क्या गलत है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि एक मुस्लिम संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण में उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार मुसलमानों सहित राज्य के सभी समुदायों की रक्षा करेगी। सिद्धरमैया ने अल्पसंख्यकों के लिए वार्षिक बजट को 4,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये करने के अपने बयान के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, ''इसमें गलत क्या है?'' उन्होंने मीडिया के एक वर्ग पर उन्हें गलत तरीके से उद्धृत करने का आरोप लगाया कि उनकी सरकार केवल मुसलमानों की रक्षा करेगी। सिद्धरमैया ने कहा, '' मैंने उस कार्यक्रम में बस इतना कहा था कि राज्य में मुस्लिमों सहित सभी समुदायों को सुरक्षा दी गई है।

पर्यटकों को ले जा रही कैब पर्वतीय राजमार्ग से गिरी, पांच लोगों की मौत

नई दिल्ली। पर्यटकों के एक समूह को लेह से श्रीनगर ले जा रही एक कैब मंगलवार को एक पर्वतीय राजमार्ग से गिर गई, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पर्यटक केरल के थे। यह दुर्घटना जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई।अधिकारियों के अनुसार, कार चालक ने बर्फ से ढके इलाके में फिसलन के चलते जोजिला दर्रे के पास एक मोड़ पर वाहन से नियंत्रण खो दिया। हादसे में कार चालक की भी मौत हो गई।उन्होंने कहा कि घायलों को सोनमर्ग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है और उनमें से एक को विशेष उपचार के लिए यहां एक अस्पताल में रेफर किया गया है।

हिंसक बाप को बेटी की कस्टडी नहीं, दंपती की लड़ाई का असर नहीं होना चाहिए; कोर्ट की टिप्पणी

मुंबई। बच्चे की देखभाल के मामले में बंबई उच्च न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। बुधवार को हाईकोर्ट ने कहा कि एक नाबालिग लड़की की कस्टडी उसके ऐसे पिता को नहीं सौंपी जा सकती, जो हिंसक है। अदालत ने कहा, बच्ची की कस्टडी ऐसे बाप को सौंपना सुरक्षित नहीं होगा, जिस पर क्रोध करने के साथ-साथ हिंसक और अपमानजनक आचरण प्रदर्शित करने के आरोप लगे हैं। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की खंडपीठ ने 41 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक की याचिका पर यह फैसला सुनाया। पिता ने अदालत से अपनी तीन साल की बेटी की देखभाल के लिए उसकी कस्टडी मांगी थी। याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा, उस व्यक्ति (याचिकाकर्ता) को गुस्सा आता था और उसने अतीत में उसका (महिला) शारीरिक शोषण किया था। बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में ब्रिटिश नागरिक ने दावा किया था कि बच्ची को अलग हुई प ी अवैध रूप से भारत लाई है। बच्ची की कस्टडी की अपील ठुकराते हुए अदालत ने कहा, यह कानून का स्थापित सिद्धांत है कि अदालत को फैसला सुनाते हुए बच्चे का हित सबसे पहले देखना चाहिए। अदालत ने साफ किया कि बच्चे के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए ही अभिभावक को कस्टडी सौंपने जैसे संवेदनशील मुद्दे पर फैसला करना चाहिए।

सलाह लेने के लिए तैयार, दबाव के लिए नहीं, आरिफ मोहम्मद ने विजयन सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और विजयन सरकार के बीच लंबे समय से खींचतान जारी है। कन्नूर विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति के मामले और लंबित विधेयकों पर सहमति के मुद्दे पर हाल ही में यह तनाव सामने आया था। वहीं अब आरिफ मोहम्मद खान ने कहा है कि वे राज्य सरकार से सलाह के लिए हर वक्त उपलब्ध हैं, लेकिन उनके दबाव के लिए नहीं। उनका यह बयान तब आया है जब कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति के लिए गोपीनाथ रवींद्रन की दोबारा नियुक्ति के संबंध में खान ने सरकार पर दबाव डालने के आरोप लगाए हैं। राज्यपाल ने कहा कि वह सरकारी दबाव के आगे सिर्फ इसलिए झुके क्योंकि राज्य के सर्वोच्च कानून अधिकारी महाधिवक्ता । (एजी) ने पुनर्नियुक्ति के पक्ष में अपनी कानूनी राय दी थी। उन्होंने आगे कहा कि मैंने पूरे मीडिया के सामने कहा है कि मैंने जो किया वह गलत था। लेकिन, मैं उस दबाव के आगे झुक गया क्योंकि एजी ने कानूनी राय दी थी। अन्यथा, मैं राजनीतिक दबाव का विरोध करता।

भारत और केन्या प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर साझा विचार रखते हैं: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत और केन्या प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर समान विचार साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि कई बहुपक्षीय मंच हैं जिनके माध्यम से वे एक साथ कार्य कर सकते हैं। उन्होंने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में केन्या के राष्ट्रपति विलियम सामोई रुतो का स्वागत किया और उनके सम्मान में भोज का आयोजन किया। मुर्मू ने अपने स्वागत भाषण में इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों को न केवल लोगों की भलाई और प्रगति बल्कि 'ग्लोबल साउथ' के नागरिकों के लिए भी मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर दोनों देशों द्वारा साझा किए गए आम विचारों और क्षेत्रीय तथा संयुक्त राष्ट्र जैसे बहुपक्षीय मंचों पर घनिष्ठ सहयोग पर भी प्रकाश डाला।

करणी सेना प्रमुख की मौत पर राजनीति जारी

गोगामेड़ी की हत्या पर राजस्थान में बिगड़ सकते हैं हालात! राज्यव्यापी बंद

नई दिल्ली। राजपूत नेता और श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना (एसआरआरकेएस) के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की मंगलवार दोपहर जयपुर में दिनदहाड़े हत्या के विरोध में बुधवार को राजस्थान के कई शहरों में दुकानें और व्यवसाय बंद रहे। जयपुर के अलावा, अजमेर, सवाई माधोपुर, सीकर, टोंक, दौसा, झुंझुनू, भरतपुर, भीलवाड़ा, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, उदयपुर, सिरोही और माउंट आबू सहित अन्य जिलों से बंद और विरोध प्रदर्शन की खबरें आईं। गोगामेड़ी की मंगलवार को जयपुर में उनके आवास पर तीन बंदूकधारियों ने हत्या कर दी थी। पुलिस ने कहा कि बाद में जवाबी गोलीबारी में एक बंदूकधारी मारा गया। गैंगस्टर रोहित गोदारा ने फेसबुक पोस्ट में गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी ली। घटना के सीसीटीवी फुटेज में हमलावर अपने हथियार निकाल रहे हैं और गोगामेड़ी पर अंधाधुंध गोलियां चला रहे हैं जो उनके सामने एक सोफे पर बैठे हैं। घटनास्थल से भागने से पहले, हमलावरों में से एक ने फर्श पर पड़े निश्चल गोगामेड़ी को करीब से गोली मार दी। कांग्रेस और बीजेपी दोनों नेताओं ने हत्या की निंदा की है। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, राजस्थान के निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, श्री सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या बहुत दुखद है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति दें। इस बीच, राजस्थान भाजपा प्रमुख सी पी जोशी ने कहा कि गोगामेड़ी लंबे समय से प्रशासन से उनकी सुरक्षा बढ़ाने की मांग कर रहे थे लेकिन उनका अनुरोध स्वीकार नहीं किया गया।

अश्विनी वैष्णव का तंज, भविष्य में चिदंबरम की जगह लेना चाहते हैं रघुराम राजन

नई दिल्ली। रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आरबीआई के पूर्व गवर्नर और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रघुराम राजन पर उनके बयान कि भारत में मोबाइल का निर्माण नहीं हो रहा, के लिए फिर निशाना साधा। उन्होंने चुटकी ली कि हो सकता है रघुराम राजन भविष्य में चिदंबरम बनना चाहते हों। उन्होंने कहा, जब कोई व्यक्ति ईमानदारी खो देता है और मैदान में उतरे बिना, दूसरों के लिए खेलते हुए राजनेता बनने की कोशिश करता है, तो यह पाखंड है। दरअसल, एक निजी चैनल के कार्यक्रम में पत्रकारों ने रघुराम राजन के अगस्त में दिए गए उस बयान पर सवाल किया था, जिसमें जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत भारत में मोबाइल फोन नहीं बनाए जा रहे, उन्हें बस असेंबल किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को कहा, रघुराम राजन बहुत शिक्षित व्यक्ति हैं। वह निर्माण की बारीकियों को अच्छी तरह समझते हैं। वह जानते हैं कि मोबाइल का यहां उत्पादन होता है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के बाद आरबीआई के पूर्व गवर्नर के इसी बयान पर वैष्णव ने उन पर राजनीति करने का आरोप लगाया था।

जनता को धोखा देने का भी लगाया आरोप

ममता ने भाजपा को बताया सबसे बड़ा जेबकतरा दल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। उन्होंने बुधवार को भगवा पार्टी को सबसे बड़ा जेबकतरा बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले किए गए अपने वादों को पूरा नहीं करके मतदाताओं को धोखा दिया है। उत्तर बंगाल के लिए रवाना होने से पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्होंने पत्रकारों से वार्ता की। इस दौरान केंद्रीय जांच एजेंसियों जैसे ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग को लेकर भी केंद्र सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के लिए राजनीतिक भोजन की तलाश में केंद्रीय एजेंसियां बार-बार राज्य का दौरा कर रही हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि वे (भाजपा) देश के सबसे बड़े जेबकतरे हैं और लोगों को इसके कारण सबसे ज्यादा परेशानी हुई है। प्रत्येक व्यक्ति के खाते में 15 लाख रुपये ट्रांसफर करने के उनके वादे, फिर नोटबंदी, और फिर महामारी के दौरान मुफ्त राशन को अचानक बंद करके भाजपा सरकार ने जनता को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी भाजपा से अलग हैं। इस दौरान टीएमसी सुप्रीमो ने मनरेगा के तहत राज्य को आवंटित धन न देने को लेकर भी केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में फर्जी जॉब कार्ड हटाए जाने के बाद भी उत्तर प्रदेश को रुपये दिए जा रहे हैं लेकिन केंद्र पश्चिम बंगाल को 100 दिनों की कार्य योजना का बकाया नहीं दे रहा है।

डीएमके सांसद सेंथिल कुमार ने विवादित टिप्पणी के लिए लोकसभा में जताया खेद, बोले- मुझे इसका अफसोस है

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को द्रमुक नेता डीएनवी सेंथिल कुमार की विवादास्पद टिप्पणी पर सदस्यों के बीच हंगामा हुआ, जिसके कारण कार्यवाही अचानक स्थगित करनी पड़ी। प्रश्नकाल के दौरान जब द्रमुक नेता टी आर बालू पीडीएस पर पूरक प्रश्न उठाने के लिए खड़े हुए तो संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने उनसे सेंथिलकुमार द्वारा मंगलवार को की गई टिप्पणी के लिए माफी मांगने को कहा। हंगामें के बाद डीएमके सांसद सेंथिलकुमार ने विवादास्पद टिप्पणियों पर लोकसभा में खेद व्यक्त किया। सेंथिलकुमार ने कहा कि कल अनजाने में मेरे द्वारा दिए गए बयान से यदि सदस्यों और लोगों के एक वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो मैं इसे वापस लेना चाहूंगा। मैं शब्दों को हटाने का अनुरोध करता हूं...मुझे इसका अफसोस है। हालांकि, उनके बयान पर बवाल जारी है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि उन्होंने सदन में की गई टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगी।

जम्मू-कश्मीर ने नेहरू की गलतियों की वजह से समस्याएं झेलीं

सही कदम उठाए होते, तो पीओके हमारा होता

नई दिल्ली। लोकसभा से जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 को मंजूरी मिल गई। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर से संबंधित जिन दो विधेयकों पर सदन में विचार हो रहा है, वे उन सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए लाए गए हैं, जिनकी 70 साल तक अनदेखी की गई और जिन्हें अपमानित किया गया। अमित शाह ने देश के पहले प्रधानमंत्री पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर ने जवाहर लाल नेहरू की दो गलतियों की वजह से समस्याओं को झेला है। इनमें पहली संघर्ष विराम की घोषणा और फिर कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाना शामिल था। यदि जवाहरलाल नेहरू ने सही कदम उठाए होते, तो पीओके हमारा हिस्सा होता। उन्होंने सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों का दर्द समझते हैं तथा एकमात्र ऐसे नेता हैं जिन्होंने पिछड़ों के आंसू पोंछे हैं। उन्होंने कहा कि मैं यहां जो विधेयक लेकर आया हूं, वह उन लोगों को न्याय दिलाने और उनका अधिकार दिलाने से संबंधित है, जिनके खिलाफ अन्याय हुआ, जिनका अपमान हुआ और जिनकी उपेक्षा की गई। किसी भी समाज में जो लोग वंचित हैं उन्हें आगे लाना चाहिए, यही भारत के संविधान की मूल भावना है। उन्हें इस तरह से आगे लाना होगा जिससे उनका सम्मान कम न हो। अधिकार देना और सम्मानपूर्वक अधिकार देना दोनों में बहुत अंतर है। इसलिए इसका नाम कमजोर और वंचित वर्ग की बजाय अन्य पिछड़ा वर्ग किया जाना जरूरी है।

राजनीति

इंडिया गठबंधन में बढ़ सकती है दरार!

पीएम फेस के लिए संजय राउत ने आगे किया उद्धव का नाम

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बुधवार को अपनी पार्टी के नेता उद्धव ठाकरे का नाम तब लिया जब एक पत्रकार ने उनसे पूछा कि क्या 2024 के आम चुनावों के लिए इंडिया ब्लॉक के पास प्रधान मंत्री पद का चेहरा होना चाहिए। हालाँकि, उन्होंने सीधे तौर पर ठाकरे का नाम दौड़ में डालने से बचते करते हुए कहा कि वह ऐसा कुछ भी नहीं कहना चाहते जिससे पार्टियों के बीच दरार पैदा हो।

इंडिया को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पर चर्चा होगी। वास्तव में एक चेहरा होना चाहिए। उद्धव ठाकरे एक हिंदुत्ववादी, राष्ट्रवादी चेहरा हैं। जिस व्यक्ति को इंडिया गठबंधन के सदस्यों की मंजूरी मिलेगी, वह (पीएम) चेहरा हो सकता है। मैं बाहर कुछ भी नहीं कहना चाहता जिससे गठबंधन में कोई दरार पैदा हो। राउत ने आगे कहा कि आज शाम को बैठक होने वाली थी... ममता जी के घर में कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि स्टालिन जी राज्य में बाढ़ की स्थिति को लेकर काम कर रहे हैं और बाकी के नेताओं के भी कुछ कार्यक्रम है, इन तमाम चीज़ों को देखते हुए हमने तय किया कि हम 16 या 18 दिसंबर को बैठक करेंगे। आपको बता दें कि तीन हिंदीभाषी राज्यों में हालिया विधानसभा चुनाव हारने के बाद कई इंडिया ब्लॉक पार्टियों ने भाजपा विरोधी गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका निभाने के कांग्रेस पार्टी के अधिकार पर सवाल उठाया है। गठबंधन में दरार तब और स्पष्ट हो गई है जब कई घटक दलों ने आज इसकी बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया, जिसे कांग्रेस पार्टी ने चुनावी हार के बाद बुलाया था। छह दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित बैठक के 'रद्द होने' को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में लालू प्रसाद ने यह जानकारी दी। कयास लगाए जा रहे थे 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में कई नेताओं ने शामिल होने को लेकर अनिच्छा जताई थी। कांग्रेस के सहयोगी और नेहरू-गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले लालू प्रसाद ने कहा, ''बैठक अब 17 दिसंबर के लिए पुनर्निर्धारित की गई है।'' अटकलें लगाई जा रही थीं कि लालू प्रसाद के सहयोगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को बैठक में शामिल होने के लिए अनिच्छुक थे।

बड़े-बड़े दिग्गज चुनाव हार गये

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आ चुके हैं। इसमें सबसे ज्यादा आश्चर्यजनक चार राज्यों के चुनाव परिणाम रहे हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के साथ-साथ तेलंगाना के कई बड़े दिग्गज चुनाव में बुरी तरह से पराजित हुए हैं। राजस्थान में विधानसभा के अध्यक्ष सीपी जोशी चुनाव हार गए। अशोक गहलोत सरकार के 25 में से 17 मंत्री चुनाव हार गए हैं। जो बड़े नेता चुनाव हारे हैं उनमें विपक्ष के नेता राजेंद्र राठौड़ और उप नेता सतीश पूनिया भी हारने वाले नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं। पूनिया कुछ दिन पहले तक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने अपने 7 सांसदों को चुनाव मैदान में उतारा था। इनमें से तीन सांसद चुनाव में पराजित हो गए हैं। मध्य प्रदेश में भी कई बड़े दिग्गज नेता चुनाव हार गए हैं। कृषि मंत्री कमल पटेल उद्योग मंत्री राजवर्धन सिंह दत्ती गांव हार गए हैं। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की हार सबसे ज्यादा आश्चर्यजनक रही है। केंद्रीय मंत्री और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और सांसद गणेश सिंह भी विधानसभा का चुनाव हार गए हैं। कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह भी लहार से चुनाव हार गए हैं। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव विधानसभा चुनाव हार गए हैं। दुर्ग में भारतीय जनता पार्टी के सांसद विजय बघेल अपना चुनाव हार गए हैं। मध्य प्रदेश के जो चुनाव परिणाम आए हैं, उसमें कांग्रेस पार्टी की दूसरी पीढ़ी के लगभग सभी नेता चुनाव हार गए हैं। चुनाव परिणाम से यह साबित हो गया है कि कांग्रेस की दूसरी पीढ़ी के नेता चुनाव हारने के बाद नेपथ्य में चले गए हैं। पांचो राज्यों के जो चुनाव परिणाम आए हैं, वह सभी को आश्चर्यचकित कर रहे हैं। विशेष रूप से मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव परिणाम को लेकर आम जनता को भी विश्वास नहीं हो पा रहा है कि इस तरीके के चुनाव परिणाम आ सकते हैं। पांच राज्यों की विधानसभा चुनाव में एग्जिट पोल भी बुरी तरीके से फ्लॉप साबित हुए हैं। मध्य प्रदेश में जिस तरह से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ है, वह आश्चर्यचकित करने वाला है। यहां पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। यह माना जा रहा था कि इस बार मतदाताओं में महंगाई और बेरोजगारी को लेकर नाराजगी है। मतदान के पूर्व मतदाताओं की नाराजी स्पष्ट रूप से जमीनी स्तर पर देखने को मिल रही थी। उसके बाद भी जिस तरीके के चुनाव परिणाम आए हैं, उसने सभी को आश्चर्य में डाल दिया है। भाजपा ने 3 माह पहले 39 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिये थे। उनमें से 24 उम्मीदवारों ने चुनाव जीत लिये हैं। कुछ सीटों पर 20 से 30 साल की समयावधि में भाजपा ने यह सीटें नहीं जीती थी, जो इस चुनाव में जीत ली है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर पांच राज्यों के चुनाव परिणाम को लेकर लोग आपस में आश्चर्यजनक चुनाव परिणामों की चर्चा कर रहे हैं।

दुनिया में सब कुछ मिल जाता है मगर मां-बाप नहीं मिलते

दुनिया में सब कुछ मिल जाता है मगर मां-बाप नहीं मिलते।विडम्बना देखिए कि आज मां-बाप का बंटवारा किया जा रहा है। उन्हे महिनों में बांटा जा रहा है कि इस माह किस बेटे के पास खाना खाना है तथा अगले महिने दूसरे बेटे के घर खाना है।जिन मां बाप ने अपने बेटों में कभी भेदभाव तक नहीं किया आंच तक नहीं आने दी कांटा तक चुभने नहीं दिया आज वही बच्चे उनका बंटवारा कर रहे हैं।ऐसी औलादें समाज पर कलंक है जो अपने ही जन्मदाताओं को नरक की जिन्दगी दे रहे हैं।लेकिन कहते हैं इतिहास अपने आप को दोहराता है। आज देश में बुजुर्ग लोग तिरस्कृत जीवन जीने को मजबूर हैं। बुजुर्ग किसी दूसरे द्वारा नहीं बल्कि अपने ही बेटों के कारण उपेक्षित हैं शायद यह उनका दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि जिन बच्चों के लिए अपना पेट काटकर व भूखे रहकर उनका पालन पोषण किया आज वही बेटे उन्हे दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। देश में आज लाखों वृद्ध लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हैं तथा दूसरों पर मोहताज हैं।बुजुर्गों ने पाई-पाई जोड़कर जिन बच्चों को मंहगी व उच्च तालिम देकर पैरों पर खड़ा किया आज उन्ही के सामने दो जून की रोटी के लिए गिड़गड़ा रहे है।मां-बाप का कर्ज आज तक कोई नहीं चुका पाया है। बुजुर्गों ने अपनी खुशियों का गला घोंटकर अपने बच्चों को हर खुशी प्रदान की मगर आज वही चिराग माता -पिता के दुश्मन बन गए हैं। बुजुर्ग परिवार का स्तम्भ होते हैं। आज देश में बुजुर्गों की जो हालत हो रही है उसके मामले समय-समय पर उजागर होते रहते है। प्रत्येक वर्ष एक अक्तूबर को विश्व वृद्ध दिवस मनाया जाता है मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। केवल मात्र एक दिन बड़ी धूमधाम से कार्यक्रम किए जाते हैं बाकि 364 दिन इन वृद्धों को कोई याद तक नहीं करता वृद्धों के नाम पर चलाई जा रही योजनाएं कागजों में ही क्रियान्वित होती हैं।आधुनिक युग की तथाकथित बहुएं व कलयुगी बेटे बुजुर्गों से बुरा व्यवहार कर रहे हैं। लेकिन एक दिन उन्हे भी बुढापा आयेगा तब उन्हें भी अपनी करनी का फल अवश्य मिलेगा।कहते है बुजुर्ग अनुभवों की खान होते हैं।बुजुर्ग वटवृक्ष के सामान होते हैं जिनकी शीतल छाया में बच्चे सुरक्षित रहते है मगर आज अपने ही वृक्ष को काटने पर उतारु हो गए हैं। आज बुजुर्गों को स्टोर रुम में रखा जाता है मगर एक दिन स्टोर रुम तुम्हारा भी इंतजार कर रहा है जब तुम्हे भी ऐसा ही नसीब होगा। क्योंकि जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे। अक्सर देखा गया है कि अधिकांश लोग वृद्ध आश्रमों की शरण ले रहे हैं क्योंकि जब यह लोग दुखी हो जाते हैं तो वृद्ध आश्रम ही आखिरी विकल्प सूझता हैं। आज बहुत से वृद्ध एकाकी जीवन जी रहे है। बेटों के पास आज समय नहीं है कि अपनों का सहारा बने हमें घर में अपने बुजुर्गों की दिन-रात सेवा करनी चाहिए क्योंकि बुजुर्गों की सेवा से बड़ा कोई तीर्थ नहीं हैं। आज स्थिति यह है कि वृद्ध लोग दाने-दाने को तरस रहे हैं।ऐसी परिस्थितियों के कारण कई लोग असमय ही मौत को गले लगा रहे हैं। बुजुर्गों के साथ बेटों द्वारा मारपीट की घटनाएं भी होती रहती हैं।मारपीट के कारण कई मारे जा चुके हैं। समय बहुत बलवान होता है एक दिन सजा जरुर मिलेगी।गरीब लोग तो माता -पिता व बुजुर्गों की अच्छी सेवा करते है मगर साधन संपन्न लोगो द्वारा आज बुजुर्गों को ओल्ड ऐज होम तथा सरकार द्वारा बनाए गए वृद्ध आश्रमों में धकेला जा रहा है। आज वृद्धो को पुराना सामान समझ कर निकाला जा रहा हैं। बेचारे बुजुर्ग जिन पोते पोतियों को कंधों पर बिठाकर स्कूल से लाते थे और छोडते थे आज वही उनकी पिटाई तक करते हैं तथा उनका मजाक उड़ाते हैं।कुछ बुजुर्ग तो घर में ही कैद होकर रह गए हैं वे गुमनामी के अन्धेरे में जीने को मजबूर हैं। वृद्ध आज दयनीय स्थिति में जीवनयापन कर रहे हैं।सरकारों ने बुजुर्गों को पैंशन की सुविधा दी है पर वह भी नाकाफी साबित हो रही है केन्द्र सरकार द्वारा वृद्धों के भरण-पोषण के लिए कानून बनाए हैं मगर वे फाईलो की धूल चाट रहे हैं नजीजन लोग कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। सरकार को सख्ती से कानून लागू करने चाहिए ताकि वृद्धों को उनका हक मिल सके।सरकार व प्रशासन को ऐसे लोगों के विरुद्ध ठोस कारवाई करनी चाहिए तथा बुजुर्गों का अनादर करने वालो को दंडित किया जाए।

नरेन्द्र भारती

कहीं आंसुओं की है दास्तां, कहीं मुस्कुराहटों का है बयां...

चैतन्य भट्ट

मशहूर गजल गायक स्वर्गीय जगजीत सिंह का एक एल्बम है सहर इसमें गजलकार राजेश रेड्डी की एक ग़ज़ल बड़ी मकबूल है ये जो जिंदगी की किताब है ये किताब भी क्या किताब है इसी ग़ज़ल का एक शेर है कहीं आंसुओं की है दास्तां कहीं मुस्कुराहटों का है बयां ये शेर इस विधानसभा चुनाव में पूरी तरह से फिट बैठता हैं।

किसी दल में आंसुओं की झड़ी लगी है तो दूसरा दल मुस्कुराए पड़ा है, क्या-क्या अरमान सजाए बैठे थे चुनावी समर में उतरने वाले तमाम योद्धा, कोई अपने जीतने के सपने देख रहा था तो कोई सरकार बनने की और उसमें मलाईदार डिपार्टमेंट पाने के अरमान पाले बैठा था । कांग्रेस ने तो सोच ही लिया था इस बार तो उसकी सरकार पक्की है कुछ महीने पहले कमलनाथ को भावी मुख्यमंत्री बताते हुए होर्डिंग्स लगाए गए थे, दो दिन पहले भोपाल के कांग्रेस कार्यालय के सामने फिर एक पोस्टर लगाया गया था मिल रहा है सबका साथ आ रहे हैं कमलनाथ लेकिन कांग्रेस और उसके प्रत्याशियों ने कभी सोचा भी नहीं था कि उन्हें ऐसी हार का सामना करना पड़ेगा इतना ही नहीं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को भी इस बात की उम्मीद नहीं थी कि उन्हें ऐसा जनादेश मिल जाएगा । जैसे ही रिजल्ट आए एक तरफ खुशियों की सुनामी सी आ गई और दूसरी तरफ मायूसी का सैलाब उमड़ पड़ा । पांच साल का वक्त बहुत लंबा होता है वैसे अपने हिसाब से तो कांग्रेस को अब विपक्ष में रहने की आदत पड़ गई है और अगर ना पड़ी हो तो अब उसे इसकी आदत डाल भी लेनी चाहिए, तमाम बड़े-बड़े नेता एक झटके में विधानसभा से बाहर हो गए, प्रत्याशियों ने जी भर कर पैसा खर्च किया न जाने कितने वायदे किए लेकिन हाथ में आया बाबा जी का ठुल्लू ये राजनीति की किताब भी बड़ी अजीब है एक बार जिसको इस राजनीति का खून लग जाता है फिर वो और किसी काम का रह नहीं जाता । जो नेता बरसों से नेतागिरी कर रहे थे वे हारने के बाद यही कह रहे हैं कि हम तो जनता की सेवा कर रहे थे जनता ने जो कुछ निर्णय लिया वह हम सर माथे पर रखते हैं और आगे भी सेवा करते रहेंगे, अब इसके अलावा और चारा भी क्या बचा है बेचारों के पास करें भी तो क्या करें जनता का निर्णय तो सर माथे पर रखना ही पड़ेगा । तमाम टीवी चैनलों ने अपने-अपने एग्जिट पोल दिखाए किसी ने कुछ बताया तो किसी ने कुछ बताया लेकिन जब रिजल्ट आया तो उनके तमाम एग्जिट पोल धरे के धरे रह गए। ज्योतिषियों, गुनियों तांत्रिकों की शरण में गए तमाम नेताओं को भी उनके मंत्र तंत्र नहीं बचा पाए क्योंकि चुनाव के दौरान सबसे बड़ा तांत्रिक मतदाता ही होता है और जो वह चाहता है वही होता है इसलिए अब यह कहना चाहिए प्रत्याशी लाख चाहे तो क्या होता है होता वही है जो मंजूर मतदाता होता है देखना ये है कि हारे हुए यह नेता आगे भी जनता की सेवा करते रहेंगे या फिर अपने-अपने धंधे में लग जाएंगे वैसे इसकी ही उम्मीद ज्यादा की जाना चाहिए ।

मामा का जादू: भले ही भाजपा के हाई कमान ने अपने प्रदेश के मामा शिवराज सिंह चौहान को चुनावी टिकट बांटने में और चुनाव के दौरान होने वाली बड़े नेताओं की सभाओं में साइड लाइन कर दिया हो लेकिन मामा जी तो मामा जी हैं, राजनीति का हर दांव पेंच उनके रग रग में बसा हुआ है, किस वक्त क्या करना है इसकी टाइमिंग उनसे ज्यादा बेहतर और कोई नहीं समझता यही कारण है कि पिछले 17 सालों से हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हुए हैं,लोग बात और राजनीतिक विश्लेषक भी यह मानते हैं कि जो सरकार ज्यादा समय तक रहती है उसके खिलाफ एंटी इनकंबेंसी हो जाती है लेकिन मामा जी पता नहीं ऐसी कौन सी घुट्टी इस प्रदेश की जनता को पिलाए पड़े हैं कि एंटी इनकंबेंसी दूर-दूर तक दिखाई नहीं देती। मामा जी की एक और खासियत है वे रात दिन जनता को लुभाने वाली स्कीमों के बारे में सोचते रहते हैं,अब देखो ना और चुनाव के पहले लाडली बहना योजना शुरू कर प्रदेश की महिलाओं को हजार फिर बारह सौ देने की जो स्कीम मामा जी ने स्टार्ट की तो तमाम बहनों ने विजय का हार अपने भाई के गले में डाल दिया ।भाजपा के बड़े नेताओं को भी मानना पड़ा कि ये जो स्कीम है वो वास्तव में तरफ का पत्ता है इसलिए अंत में मामा जी का नाम भी लेना पड़ा और उनकी स्कीम के बारे में भी लोगों को लोगों के सामने कहना पड़ा की प्रदेश कि शिव राज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में गजब की उन्नति की है अब सवाल यह आ रहा है की मामा की इस स्कीम से जो जनादेश भारतीय जनता पार्टी को मिला है तो इसके जनक मामा शिवराज सिंह चौहान को किनारे कैसे किया जा सकता है,एक ही झटके में मामा जी ने सारा खेल अपने पक्ष में कर लिया और यही मामाकी सबसे बड़ी खासियत है अपना तो मानना ये है कि मामा जी को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी परमानेंट रूप से एलॉट कर देना चाहिए।

किसी पर भरोसा नहीं रहा: जो प्रत्याशी चुनाव में खड़े हुए थे उन्हें अपने मतदाता पर गजब का भरोसा था कि वे उन्हें ही वोट देंगे लेकिन जब रिजल्ट आया तो उनके हाथों के तोते उड़ गए ऐसी पटकनी दी मतदाता ने जो कभी सपने में भी उन्होंने सोची नहीं थी । दरअसल जनता भी राजनेताओं के साथ रह रहकर बहुत उस्ताद हो गई है जो आता था उसी से वायदा कर देते थे कि आपके अलावा तो और किसी को वोट देने का सवाल ही नहीं उठता ,जैसे राजनेता वायदा करते हैं आपका जो भी काम होगा वह हम करेंगे लेकिन जब काम करवाने जनता जाती थी तो टरकाना के अलावा और कुछ उसे मिलता नहीं सो जनता ने भी वो स्कीम पकड़ ली है उसे भी मालूम है कि पांच साल में एक बार नेताजी दरवाजे पर आएंगे उसके बाद तो उसी को नेताजी के दरवाजे जाकर उनके हाथ पर जोड़ना पड़ेंगे इसलिए वह भी उन्हीं की तर्ज पर वायदा करने लगी है। वैसे भी इस कलयुग में किसी का किसी पर भरोसा बचा नहीं है जब जनता को नेताओं पर भरोसा नहीं तो नेता जनता पर क्यों भरोसा कर रहे हैं । फिर विश्वास का संकट तो इन दोनों बहुत तेजी पकड़ रहा है भाई भाई पर भरोसा नहीं कर रहा बाप को बेटे पर भरोसा नहीं रहा,पति-पत्नी के बीच भरोसे की डोर टूटती जा रही है जब हर तरफ भरोसा खत्म हो रहा है तो राजनीति में तो सबसे पहले यह भरोसा खत्म हो जाना चाहिए ।

राजकाज

मेहनत मुर्गे की, फकीर अंडे खा गए

तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी ने बहुत मेहनत की। 3 महीने पहले तक मुख्य मुकाबला बीआरएस और भारतीय जनता पार्टी के बीच में था। लेकिन जब चुनाव की अधिसूचना जारी हुई। उसके बाद तेलंगाना में मुख्य मुकाबला बीआरएस और कांग्रेस के बीच में हो गया। भारतीय जनता पार्टी ने बीआरएस के लिए जो कांटे बिछाए थे। उन कांटों में बीआरएस तो फंस गई। लेकिन फायदा हुआ कांग्रेस को। जिन्होंने कांटे बोए थे, उनके हाथ में कुछ भी नहीं लगा। इसी को कहते हैं, मेहनत करे मुर्गा अंडे खाएं फकीर।

किसका गुब्बारा फटेगा और किसका फूलेगा

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। चार राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनाने का दावा कांग्रेस नेता कर रहे हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी भी कम से कम दो राज्यों में जीत का दावा कर रही है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद किसका गुब्बारा फूलेगा, और किसका गुब्बारा फटेगा। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यह भी कहा जा रहा था कि कांग्रेस मुक्त भारत की जो बात भाजपा के नेता कर रहे थे। पिछले 5 वर्षों में कांग्रेस युक्त भाजपा होने के बाद भी यदि पांच राज्यों के चुनाव में कांग्रेस आगे रहती है। तो भाजपा का गुब्बारा फटना तय माना जा रहा है यदि दो राज्यों में भी भारतीय जनता पार्टी अपनी सरकार बनाने में सफल होती है।

एग्जिट पोल की होशियारी

एग्जिट पोल करने वाली कंपनियों की कलई खुल गई है। एक टीवी चैनल के स्टूडियो के अंदर की बातचीत का वीडियो वायरल हो गया। एग्जिट पोल किस तरीके से मैनेज करके दिखाए जाते हैं। इसका भी खुलासा हो गया है। रही सही कसर पांच राज्यों के चुनाव के जो एग्जिट पोल जारी हुए हैं। वह एक दूसरे के विरोध में खड़े हो रहे थे। कोई ए की सरकार बना रहा था,तो दूसरा बी की सरकार बना रहा था। सीटों का अंतर तो समझ में आता है, लेकिन पूरा ही समीकरण इस बार के एग्जिट पोल ने बदल दिया। एग्जिट पोल दिखाने वाली कंपनियों ने न्यूनतम से अधिकतम सीटों के बीच में 12 से लेकर 22 तक का फासला रखा। जो एग्जिट पोल की कलई खोलने के लिए काफी था। कई एग्जिट पोल तो ऐसे आए, जिसमें दोनों ही सरकार बनाते हुए नजर आए।

तेलंगाना में हुए चमत्कार से सब हैरान

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने अगस्त माह में ही 115 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए थे। वह राष्ट्रीय स्तर के नेता बनकर राष्ट्र में राजनीति करना चाहते थे। उनको भी शायद अंदाजा नहीं था, कि वह अपनी तेलंगाना की कुर्सी को भी नहीं बचा पाएंगे। वह तेलंगाना छोड़ महाराष्ट्र में प्रचार करने के लिए चले गए। बीआरएस का गांव गांव तक प्रबंधन है। इसके बाद भी दो-तीन माह के अंदर ही राहुल गांधी प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऐसा कौन सा जादू किया, कि बीआरएस की अपनी कुर्सी जाती हुई दिख रही है। अब किसका प्रबंधन सफल रहा, इसको लेकर चर्चाएं होने लगी हैं।

फीचर

ज्यादा मीठा खाना सेहत के लिए खतरा

अगर आप भी मीठा और मीठे से बनी चीजें बहुत ज्यादा पसंद है तो शायद आप जाने-अनजाने अपनी सेहत के साथ-साथ त्वचा को भी नुकसान पहुंचा रही हैं।

अगर आपको भरोसा नहीं हो रहा तो हम आपको बता रहे हैं वे 5 कारण जो यह साबित करते हैं कि ज्यादा मीठा खाने से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचता है।

बढ़ जाती है जलन: साइंस के मुताबिक जैसे ही आप कुछ मीठा खाती हैं तो शरीर में इन्सुलिन का उत्पादन होने लगता है। ऐसा इसलिए होता है ताकि ब्लड शुगर लेवल को स्थिर किया जा सके लेकिन जैसे ही शरीर में इन्सुलिन रिलीज होता है, शरीर में जलन और उत्तेजन बढ़ जाता है और आपकी त्वचा लाल होने लगती है। अगर आपको पहले से त्वचा से जुड़ी कोई बीमारी जैसे ऐक्ने या एग्जीमा है तो आपके लिए यह जलन और भी बड़ी समस्या हो सकती है।

कील-मुहांसों का कारण: बहुत ज्यादा चीनी का सेवन करने से ऐक्ने यानी मुंहासों की समस्या बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जब आप मीठा खाते हैं तो सबसे पहले त्वचा में जलन बढ़ती है और उसके बाद यह शरीर में मौजूद वाइट ब्लड सेल्स जो संक्रमण से लड़ते हैं उन्हें विफल बनाने लगते हैं जिससे मुंहासों और ब्रेकआउट की समस्या और ज्यादा बढ़ जाती है।

कोलाजन पर हमला: चीनी से भरपूर खाना खाने के बाद शरीर में पहले से मौजूद चीनी, कोलाजन प्रोटीन से जुड़ जाता है जिस वजह से ग्लाइकेशन होने लगता है। इस प्रक्रिया की वजह से एजीई यानी अडवांस्ड ग्लाइकेशन एंड प्रॉडक्ट बनता है जो शरीर के कोलाजन पर हमला करता है और हमारी त्वचा झुर्रियों से लड़ने में नाकाम रहती है। यानी समय से पहले चेहरे पर बारीक रेखाएं और झुर्रियां पड़नी शुरू हो जाती है। अगर आप किसी तरह की ऐलर्जिक रिऐक्शन से पीड़ित हैं तो ज्यादा मीठा खाने से यह ऐलर्जी बढ़ सकती है। न सिर्फ ऐलर्जी बल्कि एग्जिमा की समस्या भी ज्यादा मीठा खाने से अचानक बढ़ सकती है।

प्रेरणा

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों कन्या बोली, पिताजी ! पुरातत्वविद् ही एक सा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

अपनी बात

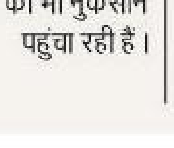

बसपा अध्यक्ष मायावती ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि पूरे चुनाव के दौरान माहौल एकदम अलग, कांटे के संघर्ष वाला और दिलचस्प था मगर चुनाव परिणाम उससे बिल्कुल अलग होकर पूरी तरह से एकतरफा हो जाना, यह ऐसा रहस्यात्मक मामला है जिस पर गंभीर चिंतन व उसका समाधान जरूरी है। लोगों की नब्ज पहचानने में भयंकर भूल-चूक चुनावी चर्चा का नया विषय है।

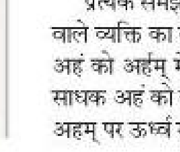

विधायक प्रमोद विज ने कहा की देश प्रदेश में भाजपा की आंधी है। साल 2024 में भाजपा हरियाणा प्रदेश तथा देश में भारी जनमत से तीसरी बार सरकार बनाएगी। प्रमोद विज ने इसे मोदी की नीतियों ,पार्टी के नेतृत्व तथा कार्यकर्ताओं के परिश्रम की जीत बताते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रवादी तथा विकासवादी सोच पर जनता ने अपना संदेश दिया है।

मप्र में ओबीसी और जातिवार गणना सहित कोई मुद्दा खड़ा नहीं कर सकी कांग्रेस

भोपाल | मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस केवल एंटी इनकंबेंसी के भरोसे ही सत्ता पाने के सपने देखते रही। यही कारण है कि वह कोई चुनावी मुद्दा खड़ा नहीं कर पाई। दरअसल, कांग्रेस को विधानसभा चुनाव से पहले अचानक ओबीसी यानी पिछड़ा वर्ग की याद आ गई। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने सरकार बनने पर ओबीसी आरक्षण को मुद्दा बनाने के लिए जातिवार गणना करवाने का वादा भी कर दिया। इसके बाद भी उसे हवा नहीं दे पाई।

कांग्रेस ने दिग्गज ओबीसी नेता अरुण यादव को शुरुआत से हाशिए पर रखा और जब चुनाव आया तो ओबीसी नेता कमलेश्वर पटेल को अचानक कांग्रेस कार्यसमिति का सदस्य बना दिया गया।

संसद के दोनों सदनों में महिला आरक्षण का प्रस्ताव पास हुआ और कानून बना तो राहुल गांधी से लेकर कमल नाथ ने इसमें भी ओबीसी के लिए अलग से आरक्षण की मांग की, लेकिन चुनाव में कहीं भी इसका शोर सुनाई नहीं दिया।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस दोहरे संकट से जूझती रही - दरअसल, विधानसभा चुनाव के दौरान मध्य प्रदेश में कांग्रेस दोहरे संकट से जूझती रही। पहला है टिकट वितरण को लेकर प्रदेश भर में व्याप्त असंतोष को थाम नहीं पाई, वहीं चुनावी मुद्दे पर पार्टी खाली हाथ रही। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में ओबीसी, जातिवार गणना, भ्रष्टाचार, महिला आरक्षण में ओबीसी आरक्षण को मुद्दा बनाने का प्रयास किया। इसके लिए उन्होंने कई जतन भी किए।

पटेल को अचानक बनाया सदस्य - प्रदेश कांग्रेस के ओबीसी नेता कमलेश्वर पटेल को अचानक कांग्रेस कार्यसमिति का सदस्य बना दिया गया।

इधर टिकट बांटने के समय कांग्रेस ने अपने ही ओबीसी और महिला आरक्षण के मुद्दे को पंचर कर दिया। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 66 प्रत्याशियों को टिकट दिया तो कांग्रेस इसमें पीछे रह गई। कांग्रेस ने 62 ओबीसी प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे। महिलाओं के मामले में भी कांग्रेस पीछे रह गई।

छह ओबीसी महिलाओं को दिया मौका - भाजपा ने छह ओबीसी महिलाओं को प्रत्याशी बनाया तो कांग्रेस मात्र पांच ओबीसी महिलाओं को टिकट दे पाई। आशय यह कि ओबीसी आरक्षण की वकालत कांग्रेस करती रही, लेकिन ओबीसी वर्ग के हितों का ध्यान रखने में वह भाजपा से पीछे रही। यही वजह थी कि ओबीसी वर्ग ने भी कांग्रेस का साथ नहीं दिया। मध्य प्रदेश में ऐसा दावा किया जाता है कि ओबीसी जनसंख्या 50 प्रतिशत के आसपास है।

भोपाल में 12 राज्यों के 117 कलाकर बिखेरेंगे बुनकरी के रंग

भोपाल | मप्र हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम द्वारा विकास आयुक्त, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से नेशलन हैंडलूम एक्सपो का आयोजन भोपाल हाट में किया जा रहा है। चार दिसंबर से 17 दिसंबर चलने वाली प्रदर्शनी में मप्र समेत देश भर के 12 राज्यों से करीब 117 बुनकरों की भागीदारी है। हिमाचल, लेह- लद्दाख, कश्मीर के बुनकर अपने गर्म कपड़े लेकर आए हैं। हलांकि पहले दिन सभी दुकानें खुल नहीं पाईं। देर शाम तक लाटरी के माध्यम से स्टाल आवंटन का कार्य ही चलता रहा। प्रदर्शनी का औपचारिक शुभारंभ मंगलवार को होगा। प्रदर्शनी में प्रतिदिन सांस्कृतिक आयोजन, शिल्पियों, बुनकरों की कार्यशालाएं एवं विभिन्न प्रतिस्पर्धात्मक आयोजन तथा रंगोली, पेंटिंग, डिजाइन डिस्प्ले जैसी गतिविधियां आयोजित होंगी।

एक्सपो में वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के विकास आयुक्त हाथकरघा की ओर से थीम पवेलियन बनाया गया है, जिसमें डेमो और डिस्प्ले का प्रबंध किया गया है। थीम पवेलियन में बुनकर सेवा केंद्र, इंदौर के गणेश कुमार हाथकरघा पर बुनाई की प्रक्रिया के बारे में बता रहे हैं।

वे ताना-बाना से लेकर कपड़ा बनाने की प्रक्रिया से आमलोगों को अवगत करा रहे हैं।यहां मप्र की प्रसिद्ध महेश्वरी और चंदेरी साड़ियों का प्रदर्शन भी किया जा रहा है।

वहीं बिहार भागलपुर से आए मोहम्मद नासिर मधुबनी प्रिंट से डिजाइन धीचा सिल्क साड़ी लेकर आए हैं, जिसकी कीमत करीब सात हजार रुपए है, बिहार की भागलपुरी सिल्क साड़ी, डुपियन सिल्क, लेनिन में मधुबनी प्रिंटेड साड़ी की ढेरों वैरायटी को नासिर ने प्रदर्शित किया है।

मृगनयनी जीटीबी में सलवार सूट कलेक्शन की नई रेंज लॉंच

भोपाल | म.प्र. हस्तशिल्प एव हाथकरघा विकास निगम के मृगनयनी एम्पोरियम में परम्परागत कपड़ों की नई रेंज में बाग बाटिक, इंडिगो डाबू प्रिंट और चन्देरी, महेश्वरी के सिले सिलाये एवं परम्परागत परिधानों की वेराइटी में सिफॉन दुपट्टा पटियाला एवं अनारकली तथा गरारा सरारा नई रेंज अब उपलब्ध है। नई रेंज का लॉंच आयुक्त म.प्र. हस्तशिल्प विकास निगम तथा हाथकरघा श्रीमती सुफीया फारूकी ने किया है। मालवा अंचल की छपाई तथा वारासिवनी चंदेरी महेश्वर की बुनाई के साथ जरी जरदौजी की कढ़ाई खास है। इस अवसर पर उज्जैन से मो. मोहम्मद मेहमूद, अयूब जावेद खत्री, मो. अब्दुल राशिद चंदेरी एवं मोहन श्याम धुर्वे उपस्थित थे।

सरकारी स्कूलों में चौथी से आठवीं कक्षा की छमाही परीक्षाएं 20 दिसंबर से

भोपाल | सरकारी स्कूलों में चौथी से आठवीं कक्षा की छमाही परीक्षाएं 20 दिसंबर से आयोजित कराई जाएंगी।

राज्य शिक्षा केंद्र ने प्रदेश के शासकीय स्कूलों की चौथी से आठवीं कक्षा की छमाही परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है। परीक्षाएं 28 दिसंबर तक चलेंगी।

बता दें कि परीक्षाएं छह नवंबर से आयोजित होने वाली थीं, लेकिन विधानसभा चुनाव के कारण स्थगित कर दी गई थीं। चौथी व पांचवीं कक्षा की परीक्षा का समय सुबह 10 से दोपहर 12.30 बजे तक और छठीं, सातवीं व आठवीं कक्षा की परीक्षाओं का समय दोपहर दो से 4.30 बजे तक होगा।

इस बार तीसरी से आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लर्निंग आउटकम पर आधारित होंगे। ऐसे में विद्यार्थी कुछ महत्वपूर्ण प्रश्नों को रटकर परीक्षा पास नहीं कर पाएंगे। इसके लिए उन्हें पूरे पाठ्यक्रम बारीकी से पढ़ना होगा। इनकी वार्षिक परीक्षा मार्च के प्रथम सप्ताह में होने की संभावना है।

शिवराज बोले-10 तारीख को लाड़ली बहनों के खाते में फिर डाली जाएगी राशि

बहनों फिर से 10 तारीख आ रही है, 'लाड़ली बहना योजना' की राशि फिर आपके खाते में डाली जाएगी।

भोपाल | मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज जानकारी देते हुए बताया है कि लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत बहनों को इस माह की राशि जल्द ही प्रदान की जाएगी। उन्होंने पोस्ट करके लिखा एवं वीडियो में कहा है कि मेरी लाड़ली बहनों, शत-शत प्रणाम...

आपने जो स्नेह और प्रेम दिया, वह अद्भुत है; बहनों मैं आभारी हूँ। भाई-बहन का पवित्र रिश्ता एक-दूसरे के प्रति कर्तव्य का भान कराता है। आपके भाई की सदैव यही कोशिश रहेगी कि आपकी जिंदगी में कोई कठिनाई या कांटे नहीं रहें।

आपने जो स्नेह और प्रेम दिया, वह अद्भुत है; बहनों मैं आभारी हूँ। भाई-बहन का पवित्र रिश्ता एक-दूसरे के प्रति कर्तव्य का भान कराता है। आपके भाई की सदैव यही कोशिश रहेगी कि आपकी जिंदगी में कोई कठिनाई या कांटे नहीं रहें।

कमल नाथ बोले- मप्र विधानसभा चुनाव का एग्जिट पोल तो माहौल बनाने के लिए था

वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमल नाथ ने कहा कि कुछ विधायक मुझसे आज मिले और उन्होंने कहा कि उन्हें उनके गांव में ही 50 वोट मिले।

भोपाल | मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ का कहना है कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव का एग्जिट पोल तो माहौल बनाने के लिए था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा, "कुछ विधायक मुझसे आज मिले और उन्होंने कहा कि उन्हें उनके गांव में ही 50 वोट मिले, तो ये कैसे हो सकता है..एग्जिट पोल तो माहौल बनाने के लिए था."

कमल नाथ ने कहा कि जिसे परिणाम पहले से पता था उसने एग्जिट पोल बनाया । मीडिया द्वारा कांग्रेस को कम सीटें मिलने पर उन्होंने कहा कि यह तो आप लोग भी जानते हैं क्या माहौल था तो मुझसे क्यों पूछ रहे हैं यह तो आप जनता से पूछिये।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमल नाथ ने कहा कि कुछ विधायक मुझसे आज मिले और उन्होंने कहा कि उन्हें उनके गांव में ही 50 वोट मिले, तो ये कैसे हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि कल ही राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने भी पोस्टल बैलेट का उल्लेख किया है।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीस जिले हो गए कांग्रेस मुक्त, एक भी सीट नहीं मिली

भाजपा ने कटनी, पन्ना, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर और इंदौर जिलों में सभी सीटें जीतकर जिले को कांग्रेस मुक्त कर दिया।

भोपाल | मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीस जिले कांग्रेस मुक्त हो गए। यहां एक भी सीट कांग्रेस नहीं जीत सकी। पिछले चुनाव में ऐसे जिले छह ही थे। वहीं, तीन जिले ऐसे भी हैं, जहां भाजपा का खाता नहीं खुला। इनमें छिंदवाड़ा ऐसा जिला रहा जहां की सभी सातों सीटों पर कांग्रेस कब्जा बरकरार रखने में सफल रही।

विधानसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस के लिए सदमे से कम नहीं हैं। कई जिलों में कांग्रेस का पूरी तरह से सफाया हो गया। दमोह में पिछले चुनाव में कांग्रेस ने यहां एक सीट जीती थी और एक सीट पथरिया से बसपा की रामबाई चुनाव जीतीं थीं। इस जिले में इस बार कांग्रेस और बसपा का सफाया हो गया।

इन जिलों में कांग्रेस साफ - भाजपा ने कटनी, पन्ना, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर और इंदौर जिलों में सभी सीटें जीतकर जिले को कांग्रेस मुक्त कर दिया। नरसिंहपुर जिले में तीन तो बैतूल में चार सीटें अपने पाले में कीं। रतलाम में एक सीट पहली बार भारत आदिवासी पार्टी ने जीतकर खाता खोला है। यह सीट पहले कांग्रेस के पास थी। सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, नर्मदापुरम, सीहोर और नीमच में भाजपा ने अपना पिछला प्रदर्शन दोहराते हुए कांग्रेस को सेंध लगाने का कोई अवसर नहीं दिया। इन बीस जिलों में भाजपा ने 89 सीटें जीती हैं।

गढ़ बचाने में सफल रहे कमल नाथ - कमल नाथ अपना छिंदवाड़ा का गढ़ बचाने में सफल रहे। यहां पिछले चुनाव में भी सभी सातों सीटें कांग्रेस ने जीती थीं और इस बार भी प्रदर्शन दोहराया है। जबकि, भाजपा ने यहां सेंध लगाने के हरसंभव प्रयास किए। चुनाव की घोषणा के पहले पांढुर्णा जिला बनाया तो केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रियों की टीम लगाई। कमल नाथ को यहां विशेष ध्यान देना पड़ा। वह दिन में दो-तीन सभा करने के बाद रात को छिंदवाड़ा पहुंच जाते थे और उनके पुत्र छिंदवाड़ा से सांसद नकुल नाथ पूरे समय डटे रहे। हरदा में दोनों सीटें कांग्रेस ने जीतीं तो श्योपुर में विजयपुर जीतकर बढ़त बना ली।

मध्य प्रदेश चुनाव में मिली हार पर कांग्रेस कर रही है मंथन, प्रत्याशियों ने रखी अपनी बात

भोपाल | मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में करारी हार मिलने के बाद कांग्रेस अब परिणामों की समीक्षा मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने सभी निर्वाचित और हारे हुए प्रत्याशियों ने अपनी अपनी बात रखी। पीसीसी में प्रत्याशियों की बैठक के बाद अध्यक्ष कमलनाथ दिल्ली के लिए हुए रवाना। एआईसीसी में अगले दो दिन अलग- अलग बैठकों में शामिल होंगे।

बैठक में कृषि मंत्री कमल पटेल को हराने वाले कांग्रेस विधायक रामकृष्ण दोगने ने कहा हरदा में भय और आतंक से लोगों को मुक्ति मिली है, कृषि मंत्री रहते हुए कमल पटेल ने केवल धन उगाही की है और सत्ता का दुरुपयोग किया है। कांग्रेस को इस तरह के परिणाम की उम्मीद नहीं थी। ईवीएम की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

पूर्व ऊर्जा मंत्री और खिलचीपुर से प्रत्याशी प्रियव्रत सिंह ने कहा कि हमें आत्म चिंतन करने की जरूरत है कि आखिर जनता ने क्यों नकारा। हमें अपनी रणनीति और दिशा पर भी विचार करना होगा। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी यह देखना होगा क्योंकि तीन माह बाद दूसरा चुनाव है। प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन पर उन्होंने कहा कि हमें अपनी दिशा पर नए से विचार करना होगा।

जबलपुर जिले से जीते कांग्रेस के एकमात्र नेता लखन घनघोरिया ने कहा कि प्रशासन ने चुनाव लड़ा है। कहीं न कहीं गड़बड़ी हुई है।

करुणाधाम आश्रम में सात दिवसीय शतचंडी महायज्ञ शुरु

भोपाल | शहर के नेहरू नगर स्थित करुणाधाम आश्रम में सात दिवसीय शतचंडी महायज्ञ सोमवार से शुरू हो गया। पहले दिन सैकड़ो भक्तगणों ने परिक्रमा लगाई। सर्वप्रथम शुरुआत में पीठाधीश्वर सुदेश शांडिल्य महाराज ने देवी देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा कर पूजन किया। उज्जैन के प्रकांड पंडितों द्वारा पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन करवाया जा रहा है। शांडिल्य महाराज ने बताया कि शतचंडी महायज्ञ के परिक्रमा करने से पाप नाश और पुण्य प्राप्ति होती है। महायज्ञ भारत को पुनः विश्व गुरु के शिखर पर पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इसमें युवा बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे है।

मल्हारी मार्तण्ड को शिव भैरव का अवतार माना जाता है। महाराष्ट्रीय समाज की ओर से मल्हारी मार्तण्ड का छह दिवसीय खंडोबा का नवरात्र मनाया जाएगा। शहर के शास्त्री नगर खंडोबा मंदिर में 13 दिसंबर से आयोजन शुरू होंगे। समाज के पूर्व अध्यक्ष संजय जोशी ने बताया कि मार्गशीर्ष शुक्ल के पहले दिन 13 दिसंबर से मार्गशीर्ष शुक्ल की षष्टी 18 दिसंबर की तिथि तक मल्हारी मार्तण्ड का छह दिवसीय खंडोबा का नवरात्र मनाया जाएगा। प्रमख रूप से पुणे महाराष्ट्र के मंदिरों के साथ ही देश भर में घर परिवारों मनाया जाएगा।

गुजरात चुनाव से पलटा आदिवासी वर्ग
मप्र-छग और राजस्थान में दिला दी प्रचंड जीत

2018 में आदिवासी वोट में कमी के चलते ही मध्य प्रदेश में भाजपा सत्ता से बाहर हो गई थी, लेकिन गुजरात चुनाव के करीब एक साल बाद मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव में गुजरात की तरह आदिवासी वोट बैंक भाजपा के साथ चला गया।

- **मतौर पर गुजरात, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आदिवासी वोट बैंक का रुझान एक जैसा ही रहता है।**
- **मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम में इसकी साफ साफ झलक दिखी।**
- **दोनों राज्यों में 2018 में भाजपा की हार की बड़ी वजह आदिवासी सीटों पर मिली पराजय भी मानी जाती है।**

भोपाल ||। वर्ष 2022 में गुजरात विधानसभा के चुनाव में आदिवासी वोट बैंक ने जिस तरह से भाजपा की ओर करवट ली, वही मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी हुआ और भाजपा को प्रचंड जीत मिली। गुजरात में एसटी वर्ग के लिए सुरक्षित 90 प्रतिशत सीटें भाजपा की झोली में आ गई थीं।

आदिवासी वोट बैंक का रुझान एक जैसा

आमतौर पर गुजरात, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आदिवासी वोट बैंक का रुझान एक जैसा ही रहता है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम में इसकी साफ साफ झलक दिखी। दोनों राज्यों में 2018 में भाजपा की हार की बड़ी वजह आदिवासी सीटों पर मिली पराजय भी मानी जाती है।

ऐसे नेताओं को लगाया चुनाव प्रबंधन में

यही वजह थी कि भाजपा ने गुजरात से लगे सीमावर्ती विधानसभा क्षेत्रों में गुजरात के आदिवासी नेता और कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रबंधन में लगाया था। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में एसटी वर्ग के लिए 47 सीटें सुरक्षित हैं, जिनमें भाजपा को 24 सीटें मिलीं। पिछले चुनाव में यह संख्या 16 थी। राजस्थान में भी 25 में भाजपा की सीट नौ से बढ़कर 12 हो गईं।

सत्ता की चाबी आदिवासी मतदाताओं के हाथों में

गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ से लेकर झारखंड तक सत्ता की चाबी आदिवासी मतदाताओं के हाथों में है।

यह अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि पिछले कई चुनावों के परिणामों का विश्लेषण है। खास बात यह है कि आदिवासी समुदाय विभिन्न राज्यों में होकर भी वोटिंग पैटर्न एक जैसा ही रखता है। वर्ष 2022 में गुजरात में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने एसटी की आरक्षित 27 सीटों में से 23 पर जीत दर्ज करते हुए सत्ता बरकरार रखी।

इसलिये हार गई थी भाजपा

उधर, 2018 में आदिवासी वोट में कमी के चलते ही मध्य प्रदेश में भाजपा सत्ता से बाहर हो गई थी, लेकिन गुजरात चुनाव के करीब एक साल बाद मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव में गुजरात की तरह आदिवासी वोट बैंक भाजपा के साथ चला आया। मप्र में तो भाजपा को आठ सीटों का इजाफा हुआ और 47 में से सीटों की संख्या 16 से बढ़कर 24 हो गई।

छत्तीसगढ़ में दिया साथ

छत्तीसगढ़ में एसटी सीटों की संख्या 29 है, जहां भाजपा के पास मात्र दो सीटें थीं। अब 2023 में भाजपा की एसटी सीटों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि अभी मध्य प्रदेश में एसटी वर्ग पूरी तरह भाजपा के साथ नहीं आया है, लेकिन छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में उसने भाजपा का साथ दिया। गौरतलब है कि मप्र में 21.10 प्रतिशत, गुजरात में 15 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 30.62 प्रतिशत और राजस्थान में 13.48 प्रतिशत आदिवासी जनसंख्या है। लोकसभा में भी आदिवासियों के लिए 47 सीटें आरक्षित हैं।

9 दिसम्बर को आयोजित होगी लोक अदालत

न्यायाधीशों ने दिखाई प्रचार वाहन को हरी झण्डी...

छतरपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निदेर्शानुसार 09 दिसम्बर को आगामी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना सुनिश्चित है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष अखिलेख शुक्ला, द्वारा आगामी 09 दिसम्बर 2023 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। नेशनल लोक अदालत के बृहद प्रचार-प्रसार वाहन को ग्रामीण क्षेत्रों में भेजकर जन सामान्य को नेशनल लोक अदालत से होने वाले लाभों से अवगत कराया जाएगा। 09 दिसम्बर को आयोजित नेशनल लोक अदालत जिला मुख्यालय छतरपुर के साथ तहसील न्यायालय नौगांव, बिजावर, लवकुशनगर, बडामलहरा एवं राजनगर में किया जाएगा। उक्त कार्यकम में समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहें। उक्त नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक, सिविल, विद्युत अधिनियम, चौक बाउंस, राजस्व के लंबित प्रकरण एवं बैंक संबंधी, नगर पालिका, दूरसंचार के प्री-लिटिगेशन के प्रकरणों का आपसी समझौते एवं सुलह के आधार पर निराकरण किया जावेगा। वर्ष 2023 की चतुर्थ नेशनल लोक अदालत को सफल को बनाने के लिए अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण किये जाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रतिबद्ध है। इस नेशनल लोक अदालत में तहसील एवं जिला मुख्यालय में कुल 30 खंडपीठों का गठन किया गया है। प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय की अध्यक्षता में प्रथम खंडपीठ का गठन किया गया है जिसमें पारिवारिक प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। अन्य खंडपीठों के द्वारा भी प्री-लिटिगेशन एवं लीटिगेशन के मामलों का निराकरण किया जावेगा। इस नेशनल लोक अदालत में जल विभाग एवं विद्युत विभाग एवं नगर पालिका द्वारा विशेष छूट प्रदान की जा रही है। अतः आमजन से अपील है कि उक्त नेशनल लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा के आधार करें।

दुकान के नाम पर लिया गया लोन कपड़ा व्यापारी ने थाने में की शिकायत, कार्यवाही की मांग

छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के देरी रोड पर कपड़े की दुकान संचालित करने वाले एक व्यापारी के साथ धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित व्यापारी का कहना है कि उसकी अनुपस्थिति में एक व्यक्ति ने उसकी दुकान पर अपना बैनर लगाकर फोटो खींच ली और इसी फोटो के आधार पर बैंक से लोन निकाल लिया है। जब बैंक प्रबंधन ने इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं की तो पीड़ित व्यापारी ने थाने में आवेदन देकर कार्यवाही की मांग की है। सिविल लाइन थाने में आवेदन देने पहुंचे देरी रोड निवासी राघवेन्द्र तिवारी ने बताया कि वह और उसकी पत्नी कपड़े का व्यवसाय करते हैं। पिछले दिनों जब वे दोनों किसी काम से बाहर गए थे तभी नंदिनी नायक और उसके पति आशीष कुमार नायक ने उसकी दुकान का बैनर बदलकर फोटो खींची तथा बगैर उसकी सहमति के यह फोटो दिखाते हुए आईआईएफल बैंक से लोन ले लिया है। राघवेन्द्र तिवारी के मुताबिक वापिस लौटने के बाद जब उन्हें इस बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने बैंक जाकर इसकी शिकायत की लेकिन वहां किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। राघवेन्द्र का आरोप है कि इस फर्जी कृत्य में बैंक के मैनेजर प्रदीप सोनी और कर्मचारी फूलचंद्र पाल ने भी नायक दंपत्ति का साथ दिया है। थाने में शिकायती आवेदन देकर राघवेन्द्र ने कार्यवाही की मांग की है।

67 वी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का कलेक्टर ने किया शुभारम्भ

मुख्यालय स्थित अमर शहीद स्टेडियम में 67 वी राज्य स्तरीय हाकी प्रतियोगिता 2023 का शुभारंभ किया गया,इस अवसर पर कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य,जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी,ऐड एसपी प्रतिपाल सिह महोबिया,जिला शिक्षा अधिकारी श्री गौर,संभागीय उपसंचालक उमेश धूर्वे,संभागीय क्रीड़ा अधिकारी रईस खान,जिला क्रीड़ा अधिकारी शेख सलीम सहित क्रीड़ा अधिकारी रविन्द्र तिवारी,इनायत खान,मुकेश झारिया, संजय नामदेव सहित कई जिम्मेदार अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।इस मौके पर छात्राओं ने आदिवासी लोक नृत्य का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया,इसके अलावा स्काउट गाइड ने बेहतर प्रदर्शन कर अतिथियों को मार्च पास्ट करते हुए सलामी दी।विदित हो कि मप्र शासन स्कूल शिक्षा विभाग एवम लोक शिक्षण संचालनालय मप्र के निदेर्शानुसार 19 वर्ष बालक–बालिका शालेय हाकी प्रतियोगिता का पांच दिवसीय आयोजन होना है।

डॉ आर के झा ने पाली महाविद्यालय के प्राचार्य का पदभार ग्रहण किया

कार्यालय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा संभाग रीवा के आदेशानुसार डॉ आर के झा सह प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली के प्राचार्य का पदभार ग्रहण कर लिया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में डॉ आर के झा शासकीय महाविद्यालय देवसर एवं शासकीय महाविद्यालय सीतामऊ जिला मंदसौर में भी प्राचार्य के दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। डॉ झा की छवि एक निष्ठावान प्राध्यापक एवं कुशल प्रशासक की रही है। एवं इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ, छात्र छात्राओं में डॉ झा का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया एवं आशा व्यक्त की है कि पूर्व में अपने प्रयासों से विकास के नए प्रतिमान स्थापित करने वाले डॉ झा के कुशल मार्गदर्शन में आदिवासी अंचल के इस महाविद्यालय की प्रशानिक एवं अन्य व्यवस्थाओं में आशातीत सुधार होगा एवं महाविद्यालय पुनः विकास के पथ पर अग्रसर होगा तथा डॉ झा के अनुभवों का लाभ इस आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों को भी होगा। डॉ झा की प्रभारी प्राचार्य के पद पर नियुक्ति से जहाँ महाविद्यालयीन स्टाफ ने प्रसन्नता व्यक्त की है वहीं विद्यार्थियों में भी हर्ष व्याप्त है।

कलाकारों के साथ अधिकारियों एवं खिलाडियो ने किया नृत्य

खेल से मानसिक एवं बौध्दिक विकास होता है - सीईओ जिला पंचायत

उमरिया। खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है ।ईमानदारी एवं पूरी निष्ठा तथा लगन से खेले गये खेल से निष्चित रूप से सफलता अर्जित होती है। खिलाड़ी खेल के दौरान अच्छे खेल का प्रदर्शन करें और अपने क्षेत्र, जिला, प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करें। उक्त आशय के उद्गार कलेक्टर बुध्देश कुमार वैद्य ने अमर शहीद स्टेडियम ग्राउण्ड मे आयोजित 67वीं राज्य स्तरीय हाकी प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कहा कि उमरिया जिले को हांकी की नर्सरी माना गया है। उमरिया जिले में बालक एवं बालिका वर्ग से नेशनल एवं इंटरनेशल लेबल के खिलाड़ी मौजूद है, जिन्होने अपने अच्छे खेलो का प्रदर्शन कर देश में अपना परचम लहराया है। उन्होने खिलाडियो को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत इला तिवारी ने कहा कि खेल से जहां एक ओर शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है वहीं दूसरी ओर खेल से हमें अनुशासन में रहने की प्रेरणा मिलती भी मिलती है। उन्होने खिलाडियो से कहा कि खेल को पूरे मनोयोग से खेले । खेल एवं हार जीत मायने नही रखती है । खेल मे मिलने वाली हार से सबक लेकर आगें और बेहतर खेलने की प्रेरणा लें। कार्यक्रम को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह महोबिया एवं संचालक शहडोल शिक्षा विभाग उमेश कुमार धुर्वे ने संबोधित करते हुए खिलाडियो को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह गौर ने बताया कि 19 वर्ष बालक बालिका प्रतियोगिता के 67वें राज्य स्तरीय हांकी प्रतियोगिता में मप्र के संभागों में शहडोल, रीवा, जबलपुर, इंदौर, सागर, भोपाल , उज्जैन, ग्वालियर, नर्मदापुरम, जनजातीय विकास विभाग के 450 खिलाडी, कोच, जनरल मैनेजर्स, आफीसिसियल्सम शामिल होगे । हांकी प्रतियोगिता का समापन 9 दिसंबर को होगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में कलेक्टर बुध्देश कुमार वैद्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने हांकी खेलकर खेल का आनंद उठाया इसके साथ ही खेल में हिस्सा ले रहे खिलाडियो एवं उनके कोचों से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल में अच्छा प्रदर्शन करने की बात कही। प्रथम दिन शहडोल एवं सागर के मध्य हांकी का मैच खेला गया जिसमें सागर ने टास जीता। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम, संयुक्त संचालक शहडोल शिक्षा विभाग उमेश कुमार धुर्वे, सहायक संचालक शहडोल रईश अहमद, डीपीसी सुमिता दत्ता, उप पंजीयक आशीष श्रीवास्तव , डाईट प्राचार्य प्रतिभा सिंह परिहार, प्राचार्य कन्या विद्यालय ललन सिंह मरावी, शिक्षक राज कुमार महोबिया, , नवोदय विद्यालय के व्हाईस प्रिसिपल सुभाष तिवारी सहित खिलाडी, कोच एवं खेल प्रेमी तथा पत्रकारगण उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का सफल संचालन सुशील मिश्रा ने किया। कार्यक्रम के दौरान आर सी स्कूल, सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल के छात्रों एवं बिरहुलिया के कलाकारों व्दारा पारंपारिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई जिसमें अधिकारियों एवं खिलाडियों ने भी नृत्य किया। कार्यक्रम के दौरान खिलाडियों व्दारा मध्यप्रदेष के झण्डे एवं मुख्य अतिथि को सलामी दी गई।

दुर्घटनाओं को रोकने वाहनों में लगाए गए रेडियम रिफलेक्टर

छतरपुर। सड़क दुर्घटनाओं से बचाव हेतु पुलिस अधीक्षक छतरपुर अमित सांघी द्वारा जिले के समस्त थानो में यातायात जागरूकता का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही घने कोहरे से कारण होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव हेतु एडवाइजरी भी जारी की गई है। वाहनों में विजिबिलिटी हेतु रिफ्लेक्टर लगवाने के निर्देश भी उन्होंने दिए हैं। जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में चैक प्वाइंट बनाकर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीमें वाहन चैकिंग कर रही हैं। जो दो पहिया वाहन चालक बिना हेलमेट और चार पहिया वाहन चालक बिना सीट बेल्ट के ड्राइविंग कर रहे हैं, उनके विरुद्ध चालानी कार्यवाही की जारी है। जिला मुख्यालय पर यातायात प्रभारी दलबीर सिंह मार्को के नेतृत्व में चैकिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि वाहन चैकिंग में यातायात नियमों को समझाते हुए घने कोहरे के कारण दुर्घटना से बचाव हेतु जारी एडवाइजरी को पंपलेट वितरित किए जा रहे हैं। **अब तक वसूला गया लाखों का राजस्व-** यातायात प्रभारी दलवीर सिंह मार्को ने बताया कि 20 नवंबर से शुरू हुए अभियान के तहत 4 दिसंबर तक 1857 दो पहिया वाहन चालकों के चालान काटकर उनसे कुल 5 लाख 59 हजार 100 रुपए का राजस्व वसूला गया है, जबकि तीन सैकड़ा चार पहिया वाहन चालकों पर कार्यवाही करते हुए 1 लाख 50 हजार का राजस्व वसूला गया है। यातायात प्रभारी ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात विभाग के सभी नियमों का पालन कर कार्यवाही से बचें तथा कोहरे के लिए जारी की गई एडवाईजरी का पालन करते हुए नियंत्रित गति से वाहन चलाएं।

खाद की समस्या से जूझ रहे जिले के किसान

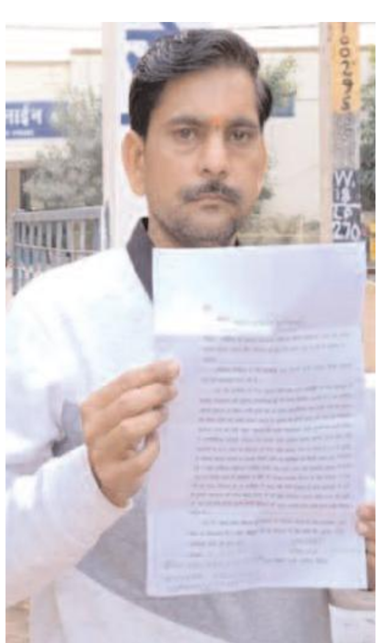

छतरपुर। प्रशासन भले ही जिले के किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने और महंगे दामों पर खाद बेचने वाले व्यापारियों पर कार्यवाही करने की बात कह रहा हो लेकिन जमीनी हालात इसके विपरीत हैं। जिले के किसान लगातार खाद की समस्या से जूझ रहे हैं और ग्रामीण अंचलों के खाद व्यापारी 450 से 1500 रुपए तक में खाद की बोरियां बेच रहे हैं। वहीं दूसरी ओर छतरपुर के सटई रोड पर स्थित मंडी के खाद विक्रय केन्द्र पर खाद की कालाबाजारी किए जाने की जानकारी भी सामने आ रही है। बताया गया है कि रात के वक्त विक्रय केन्द्र के अधिकारी व्यापारियों से सांठ-गांठ कर पिकअप और ट्रैक्टरों में खाद भरवाकर सप्लाई कर रहे हैं। किसानों का आरोप है कि मंडी में किसानों को जानबूझकर खाद नहीं दिया जाता, ताकि चोरी-छिपे खाद की कालाबाजारी की जा सके। व्यापारी जिस खाद को यहां से सस्ते दामों पर खरीदते हैं, उसी खाद को अपने-अपने प्रतिष्ठानों से मुंहमांगे दामों पर बेचते हैं। किसान गणेश प्रसाद चौका, हजारीलाल यादव निवारी, शिवम दिक्षित आदि ने बताया कि व्यापारी यूरिया की बोरी 450 और डीएपी 1500 रुपए प्रतिबोरी के हिसाब से बेच रहे हैं और खाद न मिलने के कारण किसानों को मजबूरी में इन्हीं दामों पर खाद खरीदना पड़ रहा है। सोमवार की शाम करीब 8 बजे तक किसान खाद मिलने का इंतजार करते रहे लेकिन जब खाद नहीं मिली तो मायूस होकर घरों की ओर लौट गए।

भार्तीय राष्ट सैनिक का प्रथम घर आगमन पर ग्रामीणो द्वारा किया गया भब्य स्वागत

उमरिया। जिला के मानपुर नगर परिसद अंतर्गत सिगुड़ी के निवासी अपनेन्द्र / जगत सिंह मरावी जी का शसक्त सीमा बल में आरक्षक पदपर 16 दिसम्बर 2022 में गोरखपुर यूपी में ज्वानिंग हुआ था, जो कि अपने गांव और समाज का नाम रोशन किया है हम आप को बता दें इनकी मां स्वर्गीय मुन्नी सिंह मरावी एएनएम जी इन्हे 14 वर्ष के उम्र में ही छोड़कर दुनिया से चली गई थी, फिर कई सालों बाद इनके पिता जी का दूसरे विवाह के बाद इनके दूसरी माता श्री मती सोनकली सिंह मरावी जी के समय में अपनेन्द्र सिंह जी का पैरा मिलेट्री फोर्स में सशस्त्र सीमाबल में ज्वानिंग हुआ, जिनका उत्तरप्रदेश गोरखपुर में तकरीबन एकवर्ष ज्वाइनिंग हुए हो गए इनकी ज्वानिंग उत्तराखंड चम्पावत के नेपाल वार्डर में हुआ, इन्होंने तकरीबन एक वर्ष के ड्यूटी के बाद अपने निजनिवास घर आज दिनांक - 05/12/2023 को शुवह अपने जन्म गांव भूमि पर पहुंचे, जिसकी खबर सुनकर घर परिवार के साथ ग्रामीणों में खुशी का ठिकाना न रहा, जिनके स्वागत के लिये ग्रामीणों ने कलश फूल माला गुलाल पड़ाका और बाजा के साथ स्वागत करने पहुंचे, वहीं ग्रामीणो ने अपनेन्द्र जी को दीर्घाउ का आशिर्वाद देते हुये अपनेन्द्र जी को गोद में लेकर खूब झूमें नाजे पहले अपनेन्द्र सिंह जी का इनके माता और भाई ने आरती कर फूलमाला से फिर उपस्थित सभी ग्रामीणों ने स्वागत सत्तकार किया,फिर पूरे ग्रामीणों के साथ अपेनेन्द्र सिंह जी ने सिगुड़ी में स्थापित महात्मागांधी और स्वतंत्रतासेनानी छोटेलाल पटेल जी को फूल माला समर्पित कर सैल्यूट कर नमन किये फिर माता पिता से आशिर्वाद ग्रहण किये इस खुशी में इनके घरवालों ने उपस्थित समस्त लोगों का मुख मीठा किया।

सीबीआई जांच दल पहुँचा छतरपुर, कॉलेज में पड़ताल

छतरपुर। मप्र में हुए नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जांच कर रही सीबीआई ने मंगलवार को शहर के चौबे कॉलोनी क्षेत्र में स्थित स्वामी विवेकानंद कॉलेज में अचानक पहुंचकर दस्तावेजों की जांच पड़ताल की। लगभग 20 सदस्यीय टीम ने कॉलेज के दरवाजे लगवाकर दस्तावेजों को खंगाला और स्टाफ से पूछताछ भी की। उल्लेखनीय है कि जबलपुर हाईकोर्ट के निर्देश पर मप्र के 375 महाविद्यालयों में नर्सिंग छात्रों के प्रवेश और फैकल्टी से जुड़े बड़े घोटाले की जांच की जा रही है। इस जांच में छतरपुर के भी कई कॉलेजों के नाम शामिल हैं। स्वामी विवेकानंद कॉलेज के अलावा आज शहर के दूसरे नर्सिंग कॉलेजों की भी जांच पड़ताल की जा सकती है। क्या है घोटाला जबलपुर हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी है। घोटाले के सामने आने के बाद राज्य के 375 कॉलेजों में इनरोल 1.25 लाख से अधिक नर्सिंग स्टूडेंट्स पिछले तीन साल से अपनी परीक्षाएं नहीं दे पाए हैं। यहां तक कि 2020-21 के सेशन में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स की अभी तक फर्स्ट ईयर की परीक्षा भी नहीं हुई है। मध्य प्रदेश में ये घोटाला साल 2020 में सामने आया था। यह पता चला थी कि स्टेट नर्सिंग काउंसिल ने ऐसे कॉलेजों को मान्यता दी हुई थी जो या तो केवल कागजों पर चल रहे थे या किराए के एक कमरे में चल रहे थे। कई नर्सिंग कॉलेज किसी अस्पताल से एफिलिएटेड नहीं थे। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा और कोर्ट ने राज्य के सभी 375 नर्सिंग कॉलेजों की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। दरअसल, 2022 की शुरूआत में प्रदेश के 55 नर्सिंग कॉलेजों के संचालन में गड़बड़ी की जांच करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। ये कॉलेज किसी भी थ्योरी और प्रैक्टिकल पढ़ाई के बिना ही स्टूडेंट्स को डिग्री दे रहे थे। हाईकोर्ट ने अब तक ऐसे 70 नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता रद्द कर दी है। 2022 में सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच ने भी नर्सिंग कॉलेज घोटाले में जांच शुरू की थी। प्रदेश में छतरपुर, बालाघाट, बड़वानी, बैतूल, नर्मदापुरम, धार, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खरगोन, पन्ना, विदिशा, टीकमगढ़, शहडोल, सिवनी, सीहोर जैसे जिलों के कॉलेज भी शामिल हैं। इनमें से कुछ कॉलेजों में दिल्ली, यूपी, राजस्थान और हरियाणा के छात्रों ने भी एडमिशन लिया था।

मोदी मंत्रिमंडल के फेरबदल में इनकी भी चर्चा

शिवराज हो सकते हैं देश के अगले कृषि मंत्री

नई दिल्ली। देश में चर्चा इस बात की हो रही है कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री कौन बनेगा। भारतीय जनता पार्टी के सांसदों ने विधानसभा का चुनाव जीतकर लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। देश के कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर समेत मोदी कैबिनेट के मंत्री प्रहलाद पटेल भी शामिल हैं। अब चर्चा इस बात की भी हो रही है कि अगर मोदी सरकार की योजनाओं में सबसे आगे रहने वाला महत्वपूर्ण कृषि मंत्रालय खाली हो रहा है तो वहां अगला मंत्री कौन बनेगा। सियासी गलियारों में चर्चाएं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के देश में नए कृषि मंत्री बनने की सबसे ज्यादा हो रही है। बताया यही जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता में किसान और खेती सबसे पहले हैं। किसी कद्दावर नेता को ही देश का अगला कृषि मंत्री बनाया जाना तय माना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के सांसदों के इस्तीफा देने के बाद मोदी सरकार में एक बार फिर कैबिनेट विस्तार की चर्चा शुरू हो गई है। माना यही जा रहा है कि जैसे ही नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और रेणुका सिंह मंत्री परिषद से इस्तीफा देंगे, उसके बाद मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

दक्षिणी गाजा में इस्राइली सेना का हमला, 45 फलस्तीनी लोगों ने तोड़ा दम

तेल अवीव। इस्राइल-हमास के बीच विराम के बाद एक बार फिर युद्ध शुरू हो गया है। युद्ध में अब तक दोनों पक्षों के 16 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच इस्राइली सेना ने एक बार फिर दक्षिणी गाजा के प्रमुख शहर पर हमला किया, जिसमें 45 लोगों की मौत हो गई। हमले के कारण कई लोग घायल हो गए।

इस्राइली सेना के दक्षिणी कमान के कमांडर जनरल यारोन फिंकेलमैन ने बताया कि दक्षिणी गाजा में जमीनी अभियान की शुरुआत के बाद से यह सबसे तीव्र हमला था। उन्होंने कहा कि इस्राइली सेनाएं दक्षिणी गाजा के जबालिया, पूर्व शुजैय्या और खान यूनिस में घुस चुके हैं। वहीं, हमास की अल-कासिम ब्रिगेड ने कहा कि हमारे लड़ाकों ने 24 इस्राइली सैन्य वाहनों को नष्ट कर दिया है। खान यूनिस में स्नाइपर्स ने इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाया है, जिसमें से कई सैनिकों की मौत हो गई।

खान यूनिस के दीर अल-बलाह में स्थित शुहादा अल-अक्सा के प्रमुख इयाद अल-जबरी ने बताया कि इस्राइली सेना ने घरों पर हमले किए। हमले में करीब 45 लोगों की मौत हो गई है। कई लोग घायल हो गए, जो अस्पताल में भर्ती हैं। हमास के मीडिया कार्यालय ने मंगलवार को बताया कि युद्ध में अब तक 7,112 बच्चों और 4,885 महिलाओं की मौत हो गई है। इस्राइली हमलों में अब तक कुल 16,248 लोगों मारे जा चुके हैं। हजारों लोग लापता हैं, आशंका है कि वे सभी मलबे में दबे हुए हैं।

इस्राइली रक्षा बलों ने अस्पतालों, शरणार्थी कैंपों और शहर में दोबारा नए निर्देशों के साथ पर्चे गिराए। पर्चे में लिखा था कि बाहर मत निकलें। बाहर जाना खतरनाक है। इस्राइल आर्मी प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी ने बताया कि हमने उत्तरी गाजा के कई गढ़ों को आंतकी विहीन कर दिया है। हमास के खिलाफ हम अब दक्षिण में कार्रवाई कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य हमास के बड़े कमांडरों को खत्म करना है लेकिन वे सभी किसी सुरंग में छिपे हुए हैं। दक्षिणी गाजा से लगती इस्राइली सीमा में लोगों के घुसने पर पाबंदी है और मिस्र ने भी शरणार्थियों को लेने से इन्कार कर दिया है। उधर, पूर्व में भूमध्य सागर से भी इस्राइली सेना के हमले जारी हैं। जमीनी हमलों से पहले इस्राइली सेना उस क्षेत्र पर हवाई हमलों के लिए लड़ाकू विमानों को भेजकर ताबड़तोड़ बमबारी कराने की रणनीति अपना रही है। इसके बाद जमीनी सैनिक वहां पर कब्जा करते जा रहे हैं।

ट्रंप की मुश्किलें नहीं हो रहीं कम

यूएस कैपिटल हिंसा मामले में प्रशासन पेश करेगा सबूत

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले से ही कई मुकदमों का सामना कर रहे डोनाल्ड ट्रंप पर अब 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद यूएस कैपिटल में हुई हिंसा के मामले में अमेरिका की संघीय अपीलीय अदालत के अभियोजकों ने बड़े आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनावों के बारे में झूठ बोला और हिंसा को प्रोत्साहित भी किया। इतना ही नहीं ट्रंप ने 6 जनवरी, 2021 को अपने समर्थकों को यूएस कैपिटल में भेजा था ताकि आपराधिक तरीके से चुनाव परिणामों को रोक सकें। बता दें कि संघीय अपीलीय अदालत ने पहले ही इस मामले में ट्रंप के खिलाफ मुकदमा आगे बढ़ाने का आदेश दे दिया है। अब इसी मामले में विशेष वकील जैक स्मिथ के अभियोजकों ने अदालत में ट्रम्प के खिलाफ कुछ नए आरोप लगाए हैं। अदालत में दाखिल किए गए कुछ नए दस्तावेजों में उन्होंने कहा कि वाशिंगटन में ट्रम्प के आपराधिक मुकदमे में वे नवंबर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले उनके कृत्यों और उनके बाद की कथित धमकियों को लेकर वे सबूत पेश करना चाहते हैं। जिससे जो बाइडन की चुनावी जीत को गलत साबित करने के उनके प्रयास के लिए ट्रंप के मकसद और तैयारी को साबित किया जा सके। नौ पन्नों की फाइलिंग में अभियोजकों ने आरोप लगाया कि मुकदमे के दौरान सरकार इस बात के सबूत पेश करेगी। इसमें प्रतिवादी का सार्वजनिक समर्थन और हिंसा को बढ़ावा देना शामिल है। इस बीच, ट्रंप के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने एक लिखित बयान जारी किया है। इसमें स्टीवन ने स्मिथ पर अगले साल के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि आगामी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप भी अपनी दावेदारी पेश करने वाले हैं।

लिंग-भेद घोषित हो मानवता के खिलाफ अपराध, मलाला यूसुफजई ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से की अपील

जोहान्सबर्ग। नोबल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने लिंग और रंग भेद को मानवता के खिलाफ अपराध बताया है। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में नेल्सन मंडेला व्याख्यान के 21वें संस्करण में बोलते हुए उन्होंने ये बात कही। इस दौरान मलाला ने अफगानिस्तान में महिलाओं के खिलाफ किए जा रहे अत्याचारों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में महिलाओं पर तालिबान द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के तहत काले लोगों के साथ किए जाने वाले व्यवहार की तरह ही हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील करते हुए मलाला ने लिंग भेद को मानवता के खिलाफ अपराध घोषित करने की भी मांग की। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहान्सबर्ग में हर साल नेल्सन मंडेला की पुण्य तिथि पर वार्षिक नेल्सन मंडेला व्याख्यान समारोह का आयोजन किया जाता है। इसमें अंतरराष्ट्रीय विचारक अपने विचार साझा करते हैं। इस कार्यक्रम में नेल्सन मंडेला फाउंडेशन बोर्ड के अध्यक्ष प्रोफेसर नजाबुलो नेडेबेले ने कहा कि इस वर्ष का विषय न्यायसंगत भविष्य के लिए नेतृत्व रखा गया है। यूसुफजई ने अपने संबोधन में कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान शासन लड़कियों और महिलाओं को शिक्षा और काम के अधिकार से वंचित करके लैंगिक रंगभेद को लागू कर रहा है। जिस तरह दक्षिण अफ्रीका में गोरों का मानना था कि अश्वेतों को अलग करना चीजों के प्राकृतिक क्रम में है, उसी तरह अफगानिस्तान में तालिबान का कहना है कि लड़कियों और महिलाओं पर अत्याचार करना धर्म का मामला है।

इसे लेकर मेरा कहना है कि यह सच नहीं है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान सहित कई मुस्लिम देशों के विद्वानों ने साफ कर दिया है कि इस्लाम लड़कियों और महिलाओं को शिक्षा और काम करने के अधिकार से वंचित करने की इजाजत नहीं देता है।

होंडुरास में बस दुर्घटना में 12 लोगों की मौत, दर्जनों घायल

तेगुसिगल्पा। मध्य अमेरिकी देश होंडुरास में मंगलवार को एक बस हाईवे से फिसलकर खड्ड में गिर गई। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई और दो दर्जन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बस में लगभग 60 लोग सवार थे। देश की राजधानी तेगुसिगल्पा से लगभग 41 किलोमीटर (25 मील) दूर हाईवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। फायर ब्रिगेड के अधिकारी ने कहा कि हादसे के बाद मौके पर ही 10 यात्रियों की मौत हो गई और दो की तेगुसिगाल्पा के अस्पताल में मौत हो गई। भ्रामक एवं गलत सूचनाओं पर काम करने वाली शोधार्थी जोआन डोनोवन ने हार्वर्ड विवि पर उनके भाषण व शोध टीम को दबाने का आरोप लगाया है। डोनोवन ने इस अनुचित दखल की जांच की मांग की है। डोनोवन ने 2021 के अंत में फेसबुक फाइलों को लेकर शोध शुरू किया, लेकिन मार्क जुकरबर्ग एवं प ी प्रिसिला चान द्वारा संचालिक संस्था से हार्वर्ड को 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर का दान मिलने के कारण उनके कार्य पर असर पड़ा।

भारतीय मूल की क्रिस्टल कौल लड़ेंगी अमेरिकी संसद के लिए चुनाव

वाशिंगटन। भारतीय मूल की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा में विशेषज्ञता रखने वाली क्रिस्टल कौल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव लड़ेंगीं। भारत के कश्मीर से संबंध रखने वाली कौल वर्जीनिया के कांग्रेस जिले से अपनी दावेदारी पेश करेंगी। अगर क्रिस्टल कौल 2024 में होने वाला यह चुनाव जीत जाती हैं तो वे ऐसी दूसरी भारतीय-अमेरिकी महिला होंगी। उनसे पहले भारतीय मूल की प्रमिला जयपाल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी गई थीं। वहीं, प्रमिला जयपाल की बहन सुशीला जयपाल ने भी ओरेगॉन के तीसरे कांग्रेसनल जिले से कांग्रेस की दौड़ में अपनी किस्मत आजमाई है। क्रिस्टल कौल ने अपने फैसले के बारे में बताते हुए कहा कि वर्जीनिया के 10वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट के लिए चुनाव लड़ने का उनका फैसला डेमोक्रेटिक कांग्रेस सदस्य जेनिफर वेक्सटन के फैसले के बाद आया है। बता दें कि 2019 से निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए दोबारा चुनाव न लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की है। गौरतलब है कि वर्जीनिया का 10वां कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में वर्जीनिया के वे हिस्सें आते हैं, जहां भारतीय अमेरिकियों और दक्षिण एशियाई लोगों की संख्या सबसे अधिक है। इनमें लाउडाउन काउंटी, फेयरफैक्स काउंटी और प्रिंस विलियम्स काउंटी जैसे इलाके हैं। 70 से अधिक देशों की यात्रा कर चुकी कौल का जन्म और पालन-पोषण लॉन्ग आइलैंड न्यूयॉर्क में हुआ था। उनके पिता भारत के कश्मीर के सफापोरा के रहने वाले थे। वे 26 साल की उम्र में अमेरिका आए थे। उनकी मां दिल्ली की रहने वाली थीं। जब उनकी उम्र सात साल की थी तब वे अमेरिका चली गईं थीं।

तीन राज्यों में हारने वाले कांग्रेसी क्षत्रपों को अब आराम नहीं, अब 2024 के चुनावी दंगल की तैयारी

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में से चार प्रदेशों में हार के बाद कांग्रेस पार्टी अब 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेसी क्षत्रपों के साथ बैठकों का शेड्यूल तैयार कर लिया गया है। पार्टी की केंद्रीय इकाई से जुड़े सूत्रों का कहना है कि तीन राज्यों में मिली हार के बाद कांग्रेस उन कारणों का भी पता लगा रही है, जिसके चलते पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक कुछ ऐसी बातें भी पहुंची हैं, जिनमें किसी एक राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान एकजुटता और तालमेल के साथ काम नहीं हुआ। पार्टी नेता, किस तरह से अति उत्साह और अति आत्मविश्वास का शिकार हुए। दूसरे प्रदेशों से आए नेताओं की जनसभा का शेड्यूल तय करने में अनावश्यक देरी हुई। अब पार्टी का शीर्ष नेतृत्व, इन तीनों राज्यों की लोकसभा सीटों पर हैवीवेट उम्मीदवारों को उतारने पर विचार करेगा। इसके लिए पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यों में वरिष्ठ मंत्री रहे कांग्रेस नेताओं की सूची तैयार की जा रही है।

मामलों को सूचीबद्ध करने को लेकर उठाएं जरूरी कदम

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने बुधवार को प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर मामलों को सूचीबद्ध करने और उच्चतम न्यायालय में अन्य पीठों को पुन: आवंटन करने की कुछ घटनाओं पर नाराजगी जाहिर की। साथ ही उन्होंने जल्द से जल्द इस दिशा में सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की। दरअसल, हाल ही में प्रशांत भूषण सहित कुछ वकीलों ने अदालत संख्या दो की कारण सूची से अचानक नाम हटाए जाने का आरोप लगाया था। इस पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एस के कौल ने आश्चर्य जताया था। इसी के एक दिन बाद दवे का नाराजगी भरा खुला पत्र भी सामने आ गया। बता दें, ये मामले हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की पदोन्नति और स्थानांतरण पर कॉलेजियम की सिफारिशों पर कार्रवाई करने में केंद्र की कथित देरी से संबंधित हैं। सुप्रीम कोर्ट बार एसोशिएसन के पूर्व अध्यक्ष दवे ने कहा, %मैं भारत के उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री द्वारा मामलों को सूचीबद्ध किए जाने के बारे में कुछ घटनाओं से बहुत दुखी हूं।% उन्होंने कहा कि कुछ मामले संवेदनशील प्रकृति के होते हैं, जिनमें मानवाधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और वैधानिक और संवैधानिक संस्थानों का कामकाज शामिल होता है।

पूर्व पीएम इमरान को झटका; तोशाखाना मामले में अयोग्यता के खिलाफ अपील वापस लेने की मांग वाली याचिका खारिज

इस्लामाबाद। क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब पाकिस्तान की इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में अयोग्यता के खिलाफ याचिका को वापस लेने की पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की याचिका खारिज कर दी है। इसमें उन्होंने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में अपनी अयोग्यता के खिलाफ अपनी अपील वापस लेने की मांग की थी। गौरतलब है कि इमरान खान पांच अगस्त से जेल में बंद हैं।

पूर्व पीएम इमरान को तोशाखाना मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन्हें तोशखाना (राज्य भंडार) से मिले उपहारों की बिक्री से मिली आय का खुलासा न करने के मामले में पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा अयोग्य घोषित कर दिया गया था। जिसके बाद उन्होंने चुनाव आयोग के खिलाफ इस्लामाबाद हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जहां उन्होंने दलील दी थी कि उन्होंने संपत्ति कानूनी रूप से खरीदी थी। ऐसे में उनके पास अपने संपत्ति विवरण में उपहारों का उल्लेख करने का कोई कारण नहीं था।

हालांकि बाद में उन्होंने 18 जनवरी को इस्लामाबाद हाई कोर्ट में एक नई याचिका दायर की। इसमें उन्होंने मांग की कि लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) इस मामले की सुनवाई करे। याचिका में बताया गया कि इमरान खान की अयोग्यता के खिलाफ लाहौर हाई कोर्ट में एक अलग याचिका दायर की गई थी। अब इस मामले में बुधवार को इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक ने इमरान की अयोग्यता के खिलाफ अपनी याचिका वापस लेने के अनुरोध को खारिज कर दिया। साथ ही बताया कि उन्होंने 13 सितंबर को इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अदालत अब अपना सुरक्षित फैसला सुनाएगी। इससे पहले, पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) ने इमरान खान को पीटीआई प्रमुख के पद से हटाने की मांग करने वाली याचिका पर मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रखा।

महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने की सलाह देते हुए भावुक हुए तानाशाह किम-जोंग

प्योंग्यांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में किम जोंग को महिलाओं के एक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान रोते और अपने आंसू पोछते देखा जा सकता है। रिपोर्ट्स की मानें तो तो किम जोंग ने इस कार्यक्रम के दौरान उत्तर कोरिया में घटती प्रजनन दर पर चिंता जताई थी और महिलाओं से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील करते हुए वे भावुक हो गए थे।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, इस कार्यक्रम में किम जोंग ने कहा, मांओं के साथ काम करने के दौरान प्रजनन दर में गिरावट को रोकने और बच्चों की अच्छी देखभाल करना सभी परिवारों की जिम्मेदारी है। उत्तर कोरियाई तानाशाह ने राष्ट्रीय ताकत को मजबूत करने के लिए मांओं की भूमिका की भी तारीफ की। किम ने कहा, मुझे जब भी पार्टी और देश के कामों को सुलझाने में दिक्कत होती है, तब मैं हमेशा माओं के बारे में सोचता हूं।

एनजीटी ने प्रयागराज में पानी की कमी पर पर्यावरण मंत्रालय, एनटीपीसी को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में यमुना और गंगा में पानी की कमी का आरोप लगाने वाली एक याचिका पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, एनटीपीसी (राष्ट्रीय तापविद्युत निगम लिमिटेड) और अन्य से जवाब तलब किया है।

एनजीटी एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें दावा किया गया है कि नदियों में पानी की कमी के कारण अगले दो दशकों में कुंभ मेला और प्रयागराज में माघ मेला का आयोजन करना मुश्किल हो सकता है।

याचिका के अनुसार, किशनपुर नहर और दो ताप विद्युत संयंत्रों सहित कई संस्थाओं द्वारा पानी की निकासी के कारण नदी जल के जल स्तर में कमी आई है।

सोमवार को पारित एक आदेश में, एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने कहा कि याचिका ने 'पर्यावरण कानूनों के अनुपालन से संबंधित एक महत्वपूर्ण मुद्दा' उठाया है।

एक्स में आईएसआई और खलिस्तानी आतंकियों की पंचायत, इस्लामाबाद से अंडरग्राउंड होने का आदेश हुआ जारी

नई दिल्ली। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में आतंकियों की हो रही हत्याओं पर अब आईएसआई और खालिस्तानी आतंकियों में दहशत मची हुई है। इसी दहशत के बीच में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और खालिस्तान के कनाडा में बैठे आतंकियों की एक गुप्त और महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक पिछले महीने के आखिरी सप्ताह में एक्स के स्पेस में आईएसआई और खालिस्तानी आतंकियों समेत कुछ अन्य लोगों के बीच हुई।

इस दौरान खालिस्तानी आतंकियों ने कनाडा में मौजूद आईएसआई के एजेंट से होने वाली लगातार मुलाकातों का जिक्र किया। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक इस्लामाबाद से कनाडा के खालिस्तानी आतंकियों को विशेष दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। जिसमें आपसी रंजिश को कम करके अंडरग्राउंड रहने का भी एक अहम आदेश है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक कनाडा के अलग-अलग शहरों से लगातार खालिस्तानी आतंकी और चरमपंथी पाकिस्तान के संपर्क में हैं। इसका खुलासा नवंबर के आखिरी सप्ताह में आयोजित तथाकथित बुद्धिजीवियों के आयोजन के नाम पर सोशल मीडिया एक्स पर बुलाई गई स्पेस की बैठक में हुआ।

जानकारी के मुताबिक खालिस्तान के नाम पर कनाडा के युवाओं को गुमराह करने वाले खालिस्तानी लिबरेशन फोर्स से जुड़े प्रभजीत सिंह ने बाकायदा पाकिस्तान के इस्लामाबाद से जुड़े आईएसआई के एक एजेंट से खुलकर बातचीत की। सूत्रों के मुताबिक इस बातचीत के दौरान प्रभजीत ने देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले खालिस्तानी आतंकियों की मौत पर आईएसआई से सहयोग मांगा। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े जानकार बताते हैं कि इस पूरी बातचीत में आईएसआई की ओर से दी जाने वाली लगातार मदद का न सिर्फ भरोसा दिया बल्कि कुछ हिदायतें देकर माहौल को शांत होने तक चुप रहने की राय भी दी गई। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्र बताते हैं कि आईएसआई के इशारे पर कनाडा के अलग-अलग शहरों में खालिस्तानियों को लगातार शह दी जा रही है। पिछले महीने के आखिरी सप्ताह में आयोजित किए गए इस स्पेस चर्चा में प्रभजीत सिंह ने कनाडा के ओटावा में स्थित एक प्रमुख रेस्टोरेंट चेन में आईएसआई एजेंट के साथ होने वाली लगातार बैठकों का भी जिक्र किया। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इस पूरी बातचीत में आईएसआई का एजेंट लगातार प्रभजीत को इस मामले में और ज्यादा काम न बढ़ाने की हिदायत देता रहा।

'अगर आप मुझे टी20 वर्ल्ड कप में लेना चाहते हैं तो...' रोहित शर्मा ने बीसीसीआई अधिकारियों से कह दी मन की बात!

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अब महज 6 महीने का वक्त बाकी है. ऐसे में कहा जा रहा है कि रोहित शर्मा इस टूर्नामेंट में अपने भाग लेने के संबंध में बीसीसीआई अधिकारियों से स्पष्ट बात कर चुके हैं.

मुंबई | हाल ही में बीसीसीआई अधिकारियों ने वर्ल्ड कप 2023 में टीम इंडिया के प्रदर्शन का रिव्यू करने के लिए एक मीटिंग बुलाई थी. इस मीटिंग में भविष्य के कार्यक्रम पर भी बातचीत हुई. यहां बीसीसीआई अधिकारियों के साथ कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच राहुल द्रविड़ जुड़े हुए थे. इस दौरान रोहित शर्मा ने बीसीसीआई अधिकारियों से अगले टी20 वर्ल्ड कप में खेलने की संभावनाओं को लेकर साफ-साफ बात की.

एक अखबार की रिपोर्ट में इस मीटिंग में मौजूद अधिकारी के हवाले से छापा गया है कि रोहित शर्मा ने बोर्ड मेंबर्स से कहा, 'अगर आप टी20 वर्ल्ड कप के लिए मुझे चुनना चाहते हैं तो मुझे अभी से इस बारे में बता दीजिए.' रिपोर्ट के मुताबिक, मीटिंग में मौजूद सभी अधिकारी, चयनकर्ता और कोच राहुल द्रविड़ एकमत से रोहित शर्मा को टी20 वर्ल्ड कप की कमान सौंपने के इच्छुक दिखे. यहां तक कि चयनकर्ता चाहते थे कि रोहित दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से ही टीम इंडिया की बागडोर फिर से संभाल लें लेकिन रोहित ने फिलहाल कुछ दिनों का ब्रेक मांगा.

बीसीसीआई की यह रिव्यू मीटिंग नई दिल्ली में आयोजित की गई थी. हालांकि रोहित शर्मा इस मीटिंग में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़े हुए थे. दरअसल, भारतीय कप्तान इन दिनों लंदन में छुट्टियां मान रहे हैं. वर्ल्ड कप के बाद ही वह लंदन निकल गए थे.

प्रोटियाज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में दिखेंगे हिटमैन - रोहित शर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 के साथ ही वनडे सीरीज में भी नहीं खेलेंगे. वह सीधे दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की कमान संभालेंगे. रोहित के ब्रेक लेने की रिक्वेस्ट के कारण ही चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज की कप्तानी सूर्यकुमार यादव को थमाई है. वहीं वनडे सीरीज की कमान केएल राहुल संभालेंगे.

'आरसीबी का यह बेहद खराब फैसला', कैमरून ग्रीन के बेंगलुरु ट्रांसफर पर आया दिग्गज क्रिकेटर का बयान

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ब्रेड हॉग का मानना है कि आरसीबी ने कैमरून ग्रीन को अपनी टीम में लेकर बेहद खराब फैसला लिया है.

मुंबई | ऑस्ट्रेलियाई फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन के रॉयल चैलेंजर्स बैंगलौर में आने पर पूर्व क्रिकेटर ब्रेड हॉग का एक बयान आया है. इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ने आरसीबी के इस फैसले को बेहद खराब करार दिया है. हॉग के मुताबिक बेंगलुरु फ्रेंचाइजी को अपने पास उपलब्ध रकम का इस्तेमाल विशेषज्ञ गेंदबाज पर करना चाहिए था.

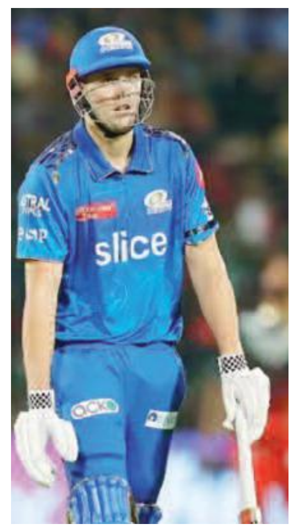

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर RCB के इस फैसले को खराब पसंद बताते हुए हॉग ने कहा, 'क्या वह (ग्रीन) इतनी वैल्यू रखते हैं? मैं आरसीबी की लाइन-अप को देख रहा हूं. मैं सोचता हूं कि यह बेहद ही खराब पसंद है. मैं यहां ग्रीन की काबिलियत पर शक नहीं कर रहा हूं. वह पिछले साल मुंबई इंडियंस के लिए बहुत अच्छे थे लेकिन अगर आप आरसीबी की लिस्ट देखें तो उन्होंने बैटिंग लाइन-अप पर बहुत ज्यादा खर्च कर दिया है. अब उनके पास ऑक्शन में विशेषज्ञ गेंदबाजों पर खर्च करने के लिए ज्यादा पैसा नहीं बचेगा.'

हॉग कहते हैं, 'अगर आप आईपीएल जीतना चाहते हैं तो आपको स्कोर डिफेंड करने के लिए अच्छे गेंदबाजों की जरूरत होगी. मुझे लगता है कि आरसीबी की यह बेहद खराब चॉइस है. शायद ग्रीन अन्य किसी क्लब के लिए ज्यादा बेहतर साबित होते.'

मुंबई ने हार्दिक के लिए किया ग्रीन को ट्रेड - आईपीएल 2023 से पहले हुए ऑक्शन में मुंबई इंडियंस ने कैमरून ग्रीन को 17.5 करोड़ खर्च कर अपनी स्क्वाड का हिस्सा बनाया था. उनके लिए पिछला सीजन अच्छा भी रहा. ग्रीन ने पिछले सीजन 16 मुकाबलों में 452 रन जड़े और 6 विकेट भी निकाले. हालांकि इस बार मुंबई इंडियंस चूंकि हार्दिक पांड्या को अपनी स्क्वाड का हिस्सा बनाना चाहती थी तो उसे कैमरून ग्रीन को ट्रेड करना पड़ा. इधर, आरसीबी को भी अपनी टीम में कैमरून ग्रीन की जगह बनाने के लिए जोश हेजलवुड, हर्षल पटेल और वानिंदु हसरंगा जैसे गेंदबाजों को रिलीज करना पड़ा.

विजयवाड़ा में फंस गए टेबल टेनिस के 200 खिलाड़ी, 'मिचौंग' चक्रवात के कारण बाहर निकलना तक हुआ मुश्किल

मिचौंग तूफान के कारण विजयवाड़ा में टूर्नामेंट खेलने आए टेबल टेनिस के करीब 200 खिलाड़ी फंस गए हैं.

विजयवाड़ा | मिचौंग चक्रवात का असर खेलों पर भी दिखाई देने लगा है. तूफान और तेज बारिश के चलते विजयवाड़ा में टेबल टेनिस के करीब 200 खिलाड़ी फंस गए हैं. यह खिलाड़ी यहां अलग-अलग आयु समुहों के लिए आयोजित हुए नेशनल रैंकिंग्स टूर्नामेंट में खेलने आए थे. यह टूर्नामेंट तो सोमवार को ही खत्म हो गया लेकिन खिलाड़ी अब वेन्यू से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं. खिलाड़ियों के साथ ही उनके साथ आए फैमिली मेंबर्स भी शहर में ही अटक गए हैं.

नेशनल रैंकिंग इवेंट के तहत पांच जोनों के टूर्नामेंट का आखिरी दूसरा राउंड विजयवाड़ा में रखा गया था. इस रैंकिंग इवेंट का आखिरी राउंड पंचकुला में 8 दिसंबर से शुरू होना है. इस तारीख तक सभी खिलाड़ियों को आयोजन स्थल पर पहुंचना है लेकिन जिस तरह से विजयवाड़ा के हालात हैं तो ऐसे में प्लेयर्स का तय समय पर पंचकुला पहुंचना असंभव लग रहा है. हो सकता है कि टेबल टेनिस संघ अब अगले टूर्नामेंट की तारीख आगे बढ़ा दे.

विजयवाड़ा में अपने बच्चों के साथ आए माता-पिता बेहद परेशान भी हैं. किसी ने फ्लाइट बुक की थी तो कोई ट्रेन बुक कर चुका था लेकिन फिलहाल आवागमन के ज्यादातर साधन बंद पड़े हुए हैं. शहर में जलभराव की स्थिति से बाहर से आए ये परिवार बेहद ज्यादा मुश्किल हालातों का सामान कर रहे हैं.

नहीं थम रहा मिचौंग तूफान का कहर - मिचौंग ने दक्षिण भारत के कई हिस्सों में कहर बरपाया है. व्यापार-व्यवसाय तो ठप पड़े ही हैं, साथ ही आवागमन के माध्यम भी ठहरे हुए हैं.

चेन्नई शहर में इस तूफान से भारी तबाही हुई है. समुद्र किनारे स्थित विजयवाड़ा शहर में इस तूफान का असर व्यापक है. शहर में लगातार बारिश हो रही है और कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है. लोगों के लिए घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो रहा है.

टिम डेविड और इस भारतीय युवा खिलाड़ी ने एक-दूसरे को दी जर्सी, मुंबई इंडियंस ने पोस्ट कर लिखी ये बात

मुंबई | पिछले दिनों भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें टी20 सीरीज में आमने-सामने थी. दोनों टीमों के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज खेली गई. इस सीरीज में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया. रोहित शर्मा समेत टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ी सीरीज का हिस्सा नहीं थे, बहरहाल युवा खिलाड़ियों ने शानदार खेल का नजारा पेश किया.

भारतीय टीम ने सीरीज के पहले दोनों मैचों में जीत दर्ज की. इसके बाद तीसरे मैच में ग्लेन मैक्सवेल के शानदार शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने टीम इंडिया को आखिरी गेंद पर हरा दिया. लेकिन फिर भारतीय टीम ने आखिरी दोनों मैच जीतकर सीरीज 4-1 से अपने नाम किया.

मुंबई इंडियंस ने शेयर किया फोटो - बहरहाल, सोशल मीडिया पर एक फोटो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वायरल फोटो में भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी तिलक वर्मा और ऑस्ट्रेलिया के टिम डेविड नजर आ रहे हैं. दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को अपनी जर्सी गिफ्ट की. मुंबई इंडियंस ने अपने अधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से फोटो शेयर किया है.

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल ऑक्शन से पहले जारी किया पोस्टर, पोलार्ड और मलिंगा संग नजर आया ये दिग्गज

मुंबई | आईपीएल ऑक्शन का आयोजन 19 दिसंबर को दुबई में होना है. इस ऑक्शन के लिए सारी टीमें अपनी-अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगी है. वहीं, मुंबई इंडियंस ने ऑक्शन से पहले एक पोस्टर जारी किया है. इस पोस्टर में मुंबई इंडियंस के हेड कोच मार्क बाउचर, बैटिंग कोच कॉयरन पोलार्ड और लसिथ मलिंग नजर आ रहे हैं. दरअसल, पिछले दिनों लसिथ मलिंगा मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े हैं. इससे पहले वह राजस्तान रॉयल्स टीम की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे. हालांकि, आईपीएल में लसिथ मलिंग लंबे वक्त मुंबई इंडियंस के साथ बतौर खिलाड़ी जुड़े रहे.

'हम शॉपिंग के लिए दुबई जा रहे हैं...' - मुंबई इंडियंस ने फोटो के साथ लिखा है- हम शॉपिंग के लिए दुबई जा रहे हैं. बहरहाल, सोशल मीडिया पर मुंबई इंडियंस का पोस्टर तेजी से वायरल हो रहा है. इसके अलावा सोशल मीडिया यूजर्स लगातार कमेंट्स कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं.

हार्दिक पांड्या एक बार फिर मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े... - वहीं, पिछले दिनों हार्दिक पांड्या एक बार फिर मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े. दरअसल, आईपीएल 2022 और आईपीएल 2024 में हार्दिक पांड्या गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे. हालांकि, इससे पहले वह आईपीएल 2015 से आईपीएल 2021 तक रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के लिए खेल चुके हैं. मुंबई इंडियंस ने ऑक्शन से पहले जोफ्रा आर्चर समेत कई बड़े खिलाड़ियों को रिलीज किया.

व्यापार

बैंकिंग - एनर्जी स्टॉक्स में खरीदारी की बदौलत ऐतिहासिक हाई पर बाजार बंद, सेंसेक्स पहली बार 69,000 के पार हुआ क्लोज

आज के ट्रेड में बीएसई का मार्केट कैप 346.51 लाख करोड़ रुपये रहा जो पिछले सत्र में 343.45 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि निवेशकों की संपत्ति में 3.06 लाख करोड़ का इजाफा हुआ है.

मुंबई | भारतीय शेयर बाजार का जोश इस हफ्ते लगातार दूसरे दिन हाई नजर आया. निवेशकों की भारी खरीदारी, खासतौर से बैंकिंग और एनर्जी शेयरों की खऱीदारी की बदौलत बाजार के दोनों प्रमुख इंडेक्स ऐतिहासिक हाई पर जाकर बंद हुए हैं. सेंसेक्स पहली बार 69,000 के आंकड़े को पार करने में सफल रहा है. आज बाजार बंद होने के समय बीएसई सेंसेक्स 431 अंकों के उछाल के साथ 69,296 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 168 अंकों के उछाल के साथ 20,855 अंकों पर बंद हुआ है.

सेक्टर का हाल - आज के ट्रेड में सबसे बड़ी तेजी एनर्जी स्टॉक्स में देखने को मिली है. निफ्टी एनर्जी 981 अंकों या 3.24 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. इसके अलावा बैंक निफ्टी फइर ऐतिहासिक हाई पर 47000 के पार जाकर बंद हुआ है. इसके अलावा ऑटो, मेटल्स, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए. पर हेल्थकेयर, एफएमसीजी, आईटी, मीडिया और रियल एस्टेट स्टॉक्स गिरकर बंद हुए. मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों में तेजी बरकार रही. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 19 शेयर तेजी के साथ और 11 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 34 शेयर तेजी के साथ और 16 गिरावट के साथ बंद हुए.

3 लाख करोड़ बढ़ी निवेशकों की संपत्ति - शेयर बाजार में तेजी बरकरार रहने के बाद आज के ट्रेड में बीएसई का मार्केट कैप 346.51 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले सत्र में 343.45 लाख करोड़ रुपये रहा था. आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 3.06 लाख करोड़ का इजाफा हुआ है.

चढ़ने - गिरने वाले शेयर - आज के ट्रेड में अडानी एंटरप्राइजेज 17 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 15.30 फीसदी, एसीसी 8.19 फीसदी, अंबुजा सीमेंट्स 7.27 फीसदी, एबीबी इंडिया 4.66 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. गिरने वालों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल 3.36 फीसदी, एम एंड एम फाइनेंशियल 2.74 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

21,791 फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन का हुआ खुलासा, 24000 करोड़ रुपये टैक्स चोरी का भी हुआ पर्दाफाश

फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन के जरिए इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम कर टैक्स चोरी का विशेष अभियान के दौरान पता चला था.

मुंबई | बीते कई महीनों से फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन के खिलाफ सरकार विशेष अभियान चला रही है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पिछले दो महीने के विशेष अभियान के दौरान जीएसटी अधिकारियों ने 21,791 फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन का पता लगाया है जिनका कोई अता - पता नहीं था. उन्होंने कहा कि इस विशेष अभियान के दौरान 24,000 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी चोरी का पता लगा है.

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा में वित्त मंत्री से इसे लेकर सवाल किया गया था. राज्यसभा सांसद मौसम नूर ने वित्त मंत्री से सीबीआईसी द्वारा मई से जुलाई 2023 के बीच सीबीआईसी के विशेष अभियान के तहत फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन, कुल टैक्स की चोरी को लेकर सवाल पूछा था. उनके इसी सवाल के जवाब में वित्त मंत्री ने कहा राज्य के टैक्स क्षेत्राधिकार के तहत 11392 और सीबीआईसी के अधिकार क्षेत्र को मिलाकर कुल 21791 इकाईयों का पता लगा है जिन्होंने फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन करा रखा था जो गैर-मौजूद पाई गई हैं. उन्होंने कहा कि राज्यों ने 8805 करोड़ रुपये और सीबीआईसी ने 15205 करोड़ रुपये को मिलाकुल कुल 24010 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का पता लगाया है.

वित्त मंत्री ने कहा कि ईमानदार करदाताओं के हितों की रक्षा करने और करदाताओं को अत्यधिक कठिनाई से बचाने के लिए समय-समय पर निर्देश जारी किए गए हैं, जिसमें अधिकारियों को अपने शक्तियों के प्रयोग में उचित सावधानी बरतने का निर्देश दिया गया है.

दरअसल 16 मई से 15 जुलाई, 2023 तक सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्स और कस्टम यानि सीबीआईसी के फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के दौरान फर्जी रजिस्ट्रेशन के रूप में पहचानी गई संस्थाओं की संख्या और कुल टैक्स चोरी की रकम बारे में पूछे गये एक प्रश्न का लिखित उत्तर दे रहे थीं.

उधर वित्त राज्यमंत्री एक दूसरे सवाल के जवाब में बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को 1,12,332 करोड़ रुपये की टैक्स बकाया को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है.

बीजेपी की जीत ने शेयर बाजार के निवेशकों को किया मालामाल, 3 सेशन में 11 लाख करोड़ बढ़ गई संपत्ति

मुंबई | रविवार 3 दिसंबर 2023 को चार बड़े राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे घोषित हुए जिसमें तीन में बीजेपी को बड़ी जीत हासिल हुई. और उसके अगले दो दिनों में शेयर बाजार में जो तेजी आई है वो ऐतिहासिक है. दो दिनों में सेंसेक्स में 1800 और निफ्टी में करीब 600 अंकों की तेजी आ चुकी है. और अगर शुक्रवार एग्जिट पोल वाले दिन भी बाजार में आई तेजी को जोड़ लें तो सेंसेक्स में 2300 और निफ्टी में 750 अंकों का उछाल आ चुका है. इस जोरदार तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में भी जबरदस्त उछाल देखने को मिला है.

3 सेशन में 11 लाख करोड़ की कमाई - पिछले हफ्ते ही बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप ऐतिहासिक 4 ट्रिलियन डॉलर के पार गया था. और पिछले तीन ट्रेडिंग सेशन में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में 11 लाख करोड़ रुपये का उछाल आ चुका है. 30 नवंबर 2023 को बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 335.58 लाख करोड़ रुपये रहा था. जो अगले तीन ट्रेडिंग सेशन में बढ़कर 346.51 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है. यानि केवल तीन सेशन में ही भारतीय शेयर बाजार के मार्केट कैप में 10.93 लाख करोड़ रुपये का इजाफा आ चुका है.

8 महीने में 90 लाख करोड़ बढ़ी संपत्ति - बीजेपी को विधानसभा चुनावों में मिली शानदार जीत से उत्साहित शेयर बाजार को लग रहा कि 2024 में भी केंद्र में मोदी सरकार की वापसी हो सकती है जिसके चलते ये तेजी बाजार में देखने को मिल रही है. इस वर्ष मार्च महीने से शेयर बाजार में हल्के फुल्के उठापटक को छोड़ दें तो तेजी बनी हुई है जिसके अगले साल लोकसभा चुनावों तक जारी रहने की संभावना जाहिर की जा रही है. 20 मार्च 2023 को बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 255.64 लाख करोड़ रुपये था. लेकिन पिछले 8 महीने के दौरान विदेशी और देशी निवेशकों के दम पर बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट इस लेवल पर आ चुका है. पिछले 8 महीने में भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों की संपत्ति में 90 लाख करोड़ रुपये बढ़ चुकी है.

आर्थिक मोर्चे पर एक और खुशखबरी, भारत जल्द बन जाएगा तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी

रेटिंग एजेंसी एसएंडपी के मुताबिक, भारत की जीडीपी तीन साल तक तेजी से बढ़ती रहेगी. उसे यह लक्ष्य हासिल करने में ज्यादा दिक्कत नहीं आने वाली.

मुंबइ्र | भारतीय इकोनॉमी लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ रही है. हाल ही में हमने 4 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने का लक्ष्य हासिल किया था. अब भारत तेजी से 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की तरफ कदम बढ़ा रहा है. उम्मीद जताई जा रही है कि भारत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा. ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने भी अब इस पर मुहर लगा दी है.

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी का अनुमान - रेटिंग एजेंसी एसएंडपी (S&P) ने अनुमान जताया है कि भारत 2030 तक आसानी से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा. उसे यह लक्ष्य हासिल करने में ज्यादा दिक्कत नहीं आने वाली. उसने कहा है कि भारत की आर्थिक विकास दर 2026-27 तक 7 फीसदी होगी. एजेंसी ने अपने ग्लोबल क्रेडिट आउटलुक 2024 में बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी 6.4 फीसदी रहने वाली है. पिछले साल यह 7.2 फीसदी रही थी. एजेंसी का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 में यह 7 फीसदी तक पहुंच जाएगी और 2030 तक भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा.

तीन साल तक तेजी से बढ़ती रहेगी इकोनॉमी - एजेंसी के मुताबिक, अगले तीन साल तक भारत तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना रहेगा. उसके सामने फिलहाल कोई चुनौती नजर नहीं आती. भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. उससे आगे सिर्फ अमरीका, चीन, जर्मनी और जापान हैं. अमरीका की जीडीपी 26.46 ट्रिलियन और चीन की 19.37 ट्रिलियन डॉलर है. इसके बाद जर्मनी और जापान की अर्थव्यवस्था है जो कि क्रमशः 4.3 और 4.4 ट्रिलियन डॉलर है. भारत के लिए जर्मनी और जापान को पार करना ज्यादा मुश्किल नहीं होने वाला है.

भारत को बनना होगा ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब - रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनने पर ध्यान देना होगा. यदि ऐसा हो पाया तो भारत को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता. फिलहाल भारत की अर्थव्यवस्था सर्विस सेक्टर पर ज्यादा निर्भर है. भारत को आर्थिक तरक्की जारी रखने के लिए कर्मचारियों का कौशल विकास करना होगा. साथ ही महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार देने की योजनाएं बनानी होंगी.

एनिमल में रणबीर के किरदार वाली टी-शर्ट पहनी आलिया ने

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फिल्म में अपने पति रणबीर कपूर के किरदार वाली टी-शर्ट पहनकर सबका ध्यान आकर्षित किया है। एनिमल की विशेष स्क्रीनिंग में मौजूद आलिया ने अपने पति रणबीर के लिए एक सफेद टी-शर्ट पहने हुए दिख रही हैं, जिस पर रणबीर का किरदार छपा हुआ है। ब्रह्मास्त्र अभिनेत्री ने काले औपचारिक कोट और मैचिंग पैंट के साथ ड्रेस को पूरा किया। स्लीक ओपन हेयरस्टाइल के साथ, आलिया अपनी बहन शाहीन भट्ट, अपनी सास नीतू कपूर के साथ हाथ में हाथ डालकर स्क्रीनिंग में नजर आईं। हालांकि, अपने पति रणबीर को सपोर्ट करने के लिए आलिया का इशारा नेटिजन्स को पसंद नहीं आया और उन्होंने टिप्पणी की- अब, दीपिका की नकल कौन कर रहा है एक अन्य यूजर ने लिखा, दीपिका का प्रभाव। एक प्रशंसक ने कहा, वैश्विक सुपरस्टार दीपिका का प्रभाव। आलिया डीपी की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं और हम सभी यह जानते हैं। दूसरे यूजर ने कहा, अपना खुद की स्टाइल बनाएं

एनिमल कबीर सिंह फेम संदीप रेड्डी वांगा द्वारा सह-लिखित, संपादित और निर्देशित है।

फिल्म सालार का ट्रेलर्स देख झूम उठे दर्शक

बहुप्रतिक्षित फिल्म सालार का मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसे देखकर दर्शक खुशी से झूम उठे हैं। ट्रेलर की बात करें तो शुरुआत में प्रभास कहीं दिखाई नहीं देते हैं। हालांकि 2 मिनट 17 सेकेंड के बाद फैंस की अपने फेवरेट स्टार को देखने की इच्छा पूरी होती है और प्रभास ट्रेलर में दमदार अवतार में नजर आते हैं। प्रभास और प्रशांत नील की मोस्ट अवेटेड फिल्म सालार के ट्रेलर का दर्शक कब से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। आखिरकार अब उनका इंतजार खत्म हो गया है। केजीएफ की तरह सालार में भी एक अलग ही दुनिया को दिखाया गया। जहां प्यार, परिवार और दुश्मनी की कहानी नजर आएगी। देवा बचपन से ही अपने दोस्त पर जान छिड़कता है। वह उससे कहता है कि तेरे लिए शिकार भी बनूंगा और शिकार भी करूंगा। तू जब भी बुलाएगा मैं जरूर आऊंगा। इसके बाद मोहम्मद गजनी और चंगेज खान से भी खूंखार डकैतों के बारे में बताया जाता है।

हेयर स्टाइलिस्ट बन दोस्त बाल संवार रही दीपिका

बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण अपनी दोस्त के लिए हेयर स्टाइलिस्ट बन गईं। लंदन में छुट्टियां मना रही दीपिका की दोस्त स्नेहा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पद्मावत स्टार द्वारा अपने बाल संवारते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने इसे कैप्शन दिया, दुनिया की इकलौती दीपिका पादुकोण से अपने बाल बनवा रही हूं और दिव्या उन्हें असिस्ट कर रही हैं। दीपिका ने इससे पहले लंदन में अपने डे आउट पर अपने दोस्तों के साथ तस्वीरें साझा की थीं। उनके पति रणवीर सिंह ने कमेंट सेक्शन में लव इमोजी शेयर किए थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो, दीपिका ऋतिक रोशन और अनिल कपूर अभिनीत अपकमिंग फिल्म फाइटर में दिखाई देंगी। वह प्रभास के साथ साइंस-फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी में भी नजर आएंगी। उनके पास रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित सिंघम 3 भी है।दीपिका को आखिरी बार बड़े पर्दे पर शाहरुख खान अभिनीत फिल्म जवान में एक विशेष भूमिका में देखा गया था।

वेदांग रैना ने सिंगिंग में अजमाए अपने हाथ

एक्टर वेदांग रैना ने ट्रैक एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स के जरिए अपनी गायकी का हुनर दिखाते हुए सिंगिंग में हाथ आजमाया। द आर्चीज न केवल एक अभिनेता के रूप में बल्कि एक गायक के रूप में भी वेदांग की पहली फिल्म है। अपकमिंग फिल्म द आर्चीज में सुहाना खान, वेदांग रैना, खुशी कपूर, अगस्त्य नंदा, डॉट, युवराज मेंडा और मिहिर आहूजा भी हैं।

फिल्म में रेगी मेंटल का किरदार निभाने वाले अभिनेता ने एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स गाने में अपनी आवाज दी है। यह गाना एक ग्रूवी, पेपी नंबर है, जो सचमुच आपके दिल को छू जाएगा। एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स में शंकर, एहसान, लॉय ने म्यूजिक दिया और यह काफी मूड लिफ्टर है। गाने एवरीथिंग इज पॉलिटिक्स के बारे में बात करते हुए वेदांग ने कहा, मुझे सिंगिंग और म्यूजिक हमेशा से पसंद रहा है, इसलिए फिल्म में अपने किरदार के लिए प्लेबैक करना एक सपने के सच होने जैसा था और मैं इसके लिए बेहद उत्साहित हूं। बता दें कि अपकमिंग फिल्म द आर्चीज से वेदांग अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे रहे हैं।

सैम बहादुर की स्क्रीनिंग में पहुंचे तमाम सेलेब्स

फिल्म को लेकर बांध दिए तारीफों के पुलिंदे

बालीवुड एक्टर विक्की कौशल की बहुप्रतीक्षित फिल्म सैम बहादुर की बुधवार रात को मुंबई में स्क्रीनिंग हुई, जिसमें तमाम सेलेब्स पहुंचे। इसके बाद उन्होंने फिल्म को लेकर तारीफों के पुलिंदे बांध दिए। सिद्धार्थ मल्होत्रा तो फिल्म देखकर काफी इमोशनल हो गए।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें सिद्धार्थ फिल्म देखने के बाद विक्की को गले लगाते नजर आ रहे हैं। स्क्रीनिंग में अभिषेक बच्चन भांजे अगस्त्या नंदा के साथ पहुंचे थे। उन्होंने लिखा, कल रात सैम बहादुर देखी। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ ने जो कुछ किया, जो कुछ हासिल किया उसकी विशालता अभिभूत करने वाली है। मेरी फेवरेट मेघना गुलजार ने जिस खूबसूरत के साथ ये दिखाया वो कमाल है। भारत के महानतम पुत्रों में से एक की कहानी बताना काफी बड़ी जिम्मेदारी है और आपने उसे बहुत अच्छे निभाया है। मेरे वीर, विक्की कौशल के बारे में क्या कहूं...मैं बस इतना ही कहूंगा कि आपने हमारे लिए एक बेंचमार्क सेट कर दिया है। शाबाश स्वीटी। मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर ने लिखा, वह सैम बहादुर है और वह अपनी कला में निपुण है। अपनी बॉडी लेंग्वेज से लेकर हर चीज को विक्की ने बहुत अच्छे से उतारा है। ये विक्की की बेहतरीन परफोर्मेंस में से एक है। विक्की के साथ जरा हटके जरा बचके फिल्म में नजर आई एक्ट्रेस सारा अली खान ने इंस्टा स्टोरी पर लिखा, फिल्म देखने के बाद मेरे पास कोई वर्ड्स नहीं बचे हैं। विक्की का ट्रांसफोर्मेशन कमाल का है। सना और फातिमा ने भी फिल्म में बहुत सच्चाई और गहराई दिखाई है। सभी को फिल्म के लिए ऑल द बेस्ट। एक्ट्रेस नेहा धूपिया के पति एक्टर अंगद बेदी ने भी शानदार रिव्यू दिया है। उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर इसे बेनस्टोक बताया है।रितेश देशमुख ने इंस्टा स्टोरी पर लिखा-अभी भी सैम बहादुर के जादू से जूझ रहे हैं, विक्की कौशल बहुत ही बेतरीन एक्टर हैं आप। मेघना गुलजार की ये फिल्म मास्टर क्लास है। बता दें कि विक्की कौशल की बहुप्रतीक्षित फिल्म सैम बहादुर सिनेमाघरों में पहुंच गई। एनिमल की तरह ही इस फिल्म को लेकर भी लोगों में काफी उत्सुकता बनी हुई है। खास तौर से इसमें देशभक्ति का फ्लेवर सबको आकर्षित कर रहा है।

अरबाज से अलग हुईं जार्जिया एंड्रियानी

मलाइका ने पहले ही छोड़ रखा

बालीवुड एक्टर अरबाज खान की निजी जिंदगी बेहतर नहीं है। उन्होंने साल 1998 में मलाइका अरोड़ा संग शादी रचाई थी। दोनों का एक बेटा अरहान खान है। हालांकि 19 साल बाद अरबाज और मलाइका ने अलग होने का फैसला लेते हुए हर किसी को हैरान कर दिया था। लेकिन तलाक के बाद मलाइका और अरबाज ने प्यार को दूसरा मौका दिया। जहां मलाइका एक्टर अर्जुन कपूर संग रिश्ते में हैं। वहीं अरबाज 20 साल छोटी जॉर्जिया एंड्रियानी को डेट कर रहे थे। हालांकि अब दोनों की राहें अलग हो गई हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू में जॉर्जिया एंड्रियानी ने इस खबर की पुष्टि की और अरबाज के साथ अपने ब्रेकअप के बारे में खुलकर बात की। जॉर्जिया ने अरबाज खान के साथ अपने रिश्ते की स्थिति के बारे में कहा कि इस समय, हम बहुत अच्छे दोस्त हैं, हम हमेशा बहुत अच्छे दोस्त रहेंगे। उस समय हम दोस्तों से बढ़कर थे। हम हमेशा बहुत करीब रहे हैं, हमेशा बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। साथ में मौज-मस्ती की थी। मुझे लगता है कि यह भी एक कारण था कि दोस्त बनना मुश्किल था। मुझे लगता है कि शुरू से ही हम दोनों जानते थे कि यह हमेशा के लिए नहीं रहेगा लेकिन हममें से किसी में भी इसे मानने का साहस नहीं था। यही नहीं अरबाज खान और मलाइका के रिश्ते के बारे में बात करते हुए जॉर्जिया ने कहा कि इससे मेरे बॉन्ड पर कोई असर नहीं पड़ा। उनका मलाइका के साथ जो रिश्ता था, वह मेरे रिश्ते में कभी आड़े नहीं आया। यह पहले ही खत्म हो चुका है। दो साल हो गए लेकिन आधिकारिक तौर पर उनका तलाक एक साल, डेढ़ साल पहले हुआ था।

दोस्तों के साथ लंदन घूम रहीं दीपिका

अपने दोस्तों के साथ एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण लंदन घूम रही हैं। यहां से दीपिका ने इंस्टाग्राम पर अपनी दोस्त स्नेहा रामचंदर और दिव्या नारायण के साथ कुछ तस्वीरें साझा की। दीपिका ने वाइट हुडी, मैचिंग जॉगर्स और लंबे ब्राउन कोट की आउटफिट पहनी हुई है। उन्होंने बालों का बन बनाया हुआ है। वह अपने दोस्तों के साथ एक डाइनिंग रेस्तरां में बैठी हुई है। पहली तस्वीर में, एक्ट्रेस प्यारी मुस्कान के साथ सेल्फी ले रही हैं। जियोटैग में उन्होंने जामावर लंदन डाला हुआ है। फैंस ने कमेंट सेक्शन में जाकर एक्ट्रेस के लिए हार्ट इमोजी शेयर किया।

शहनाज गिल का खूबसूरत अंदाज

पंजाब की कैटरीना के नाम से मशहुर अभिनेत्री शहनाज गिल दिन पर दिन निखरती जा रही हैं। कोई फोटोशूट हो या पार्टी... शहनाज हमेशा अपने लुक से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहती हैं। इसमें कोई शक नहीं कि शहनाज गिल हर लुक को ग्रेस के साथ कैरी करती हैं। हाल ही में शहनाज ने इंस्टा पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें उनका खूबसूरत अंदाज देखने को मिल रहा है। थैंक यू फॉर कमिंग एक्ट्रेस ने एक बार फिर से अपने फैशन से हर किसी का दिल जीत लिया।

रणदीप और लिन लौटे मुंबई, पैपराजी को दिए पोज

शादी के बंधन में बंधन के बाद बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम मुंबई लौट आए हैं। यह हॉट कपल जैसे ही वो एयरपोर्ट से निकले तो फोटोग्राफर्स ने उन्हें घेर लिया और जमकर तस्वीरें क्लिक कीं। दोनों ने परिवार के सदस्यों और कुछ दोस्तों की उपस्थिति में मैतेई परंपराओं के अनुसार शादी की। शादी से पहले, रणदीप ने लैशराम की मैतेई परंपराओं में शादी करने पर अपना उत्साह व्यक्त किया था। कपल ने शन्नापुंग रिसॉर्ट में शादी रचायी। शादी में रणदीप को पीले रंग की पगड़ी के साथ सफेद कुर्ता और धोती पहने हुए देखा गया। वहीं उनकी पत्नी लिन पारंपरिक मणिपुरी जोड़े में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपने लुक को सोने के आभूषणों से पूरा किया। इससे पहले, रणदीप और लिन ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की घोषणा करते हुए कहा था, महाभारत से प्रेरित होकर जहां अर्जुन ने मणिपुरी योद्धा राजकुमारी चित्रांगदा से शादी की थी, वहां हम अपने परिवारों और दोस्तों के आशीर्वाद से शादी कर रहे हैं।

सनी देओल ने की बॉबी की तारीफ

एनिमल में बॉबी देओल की भूमिका को लेकर बड़े भाई सनी देओल ने उनकी तारीफ की है। सनी ने इंस्टाग्राम पर अपने भाई बॉबी के साथ कई तस्वीरें साझा कीं, जिन्हें संदीप वांगा रेड्डी द्वारा निर्देशित फिल्म में एक खलनायक के रूप में उनके प्रदर्शन के लिए प्रशंसा मिल रही है। उन्होंने तस्वीरों को कैप्शन दिया- मेरे छोटे भाई ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस पर बॉबी ने जवाब दिया, आप मेरी जिंदगी हैं, मैं आपसे सबसे ज्यादा प्यार करता हूं। एनिमल में रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और तृप्ति डिमरी भी हैं। यह 201 मिनट की अवधि के साथ बनी सबसे लंबी भारतीय फिल्मों में से एक है। यह फिल्म बिजनेस दिग्गज बलबीर सिंह और उनके बेटे रणविजय सिंह के जटिल रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। बलबीर के साथ हुई त्रासदी के बाद, रणविजय अपने प्रतिद्वंद्वी अबरार हक से प्रतिशोध लेने के लिए निकलता है और अपने परिवार को कभी नहीं छोड़ने की प्रतिज्ञा करता है।

'एनिमल' पर टिप्पणी पर ट्रोल के बाद तृषा ने डिलीट किया मेसेज

तृषा कृष्णन हाल ही में फिर एक नये प्रसंग पर लोगों की आलोचनाओं का सामना कर रही हैं। फिल्म 'एनिमल' की तारीफ में लिखी पोस्ट में ट्रोल होने के बाद उन्होंने संबंधित पोस्ट को डिलीट कर दिया। उन पर एक्टर और म्यूजिक कंपोजर मंसूर अली खान ने विवादित बयान दिया था, जिसने तूल पकड़ा और दोनों को लाइमलाइट में ला दिया।

हालांकि, यह मामला अभी शांत ही हुआ था कि एनिमल पर टिप्पणी से फिर वे आलोचना की शिकार हुई। रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की 'एनिमल' ने तीन दिन में रिकॉर्ड तोड़ 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। ऑडियंस से लेकर क्रिटिक्स तक, सब इसकी तारीफ कर रहे हैं। एक्ट्रेस तृषा कृष्णन ने भी एनिमल की तारीफ की और इसे एक कल्ट मूवी बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, एक ही शब्द- कल्ट ! आह। अपनी पोस्ट में उन्होंने आंखों में प्यार और ताली बजाने वाला इमोजी इस्तेमाल किया।

नेटिजंस ने उनके ट्वीट के स्क्रीनशॉट को शेयर करते हुए करते हुए लिखा, एक हफ्ते पहले वह महिलाओं की गरिमा पर लेक्चर दे रही थीं। हैं ना। एक अन्य यूजर ने लिखा, किसी भी एक्टर और एक्ट्रेस से किसी भी फिल्म के लिए नेगेटिव रिव्यु की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उनके पास रियल ऑपिनियन नहीं होते क्योंकि वह इंडस्ट्री में बने रहना चाहते हैं। एक यूजर ने लिखा, प्रभास की फिल्म के लिए अगली वांगा हीरोइन तय हो गई है। एक और यूजर ने लिखा,यह कैसा व्यवहार है वहीं, कुछ यूजर्स ने तृषा की तारीफ भी की। एक यूजर ने लिखा, वह एक फिल्म को एक फिल्म की तरह ट्रीट करना भी जानती है। एक फैन ने लिखा, वह कल्पना और वास्तविकता के बीच अंतर जानती हैजेंसिंपल।

अनूपपुर जिले के तीन विधानसभा में से एक कांग्रेस एवं दो भाजपा के खाते में

सुनील सराफ का हिटलर शाही रवैया बना हार का कारण लोगों ने कहा अधजल गगरी छलकत जाए

अनूपपुर जावेद अहमद । मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में अनूपपुर जिले में इस बार कुल मतदाता 4 लाख 19 हजार 676 जिसमें 2 लाख 11 हजार 519 पुरुष तो वही 2 लाख 70 हजार 151 महिलाओं ने मतदान किया और थर्ड जेंडर 6 शामिल रहे।अनूपपुर जिले की तीनों विधानसभा में अनूपपुर में पांच प्रत्याशी एवं कोतमा में 15 प्रत्याशी व पुष्पराजगढ़ में 11 प्रत्याशी मैदान में रहे। अनूपपुर जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र से दो सीटें भाजपा एवं एक कांग्रेस के पाले में चली गई है।

अनूपपुर का परिणाम

अनूपपुर से भाजपा प्रत्यासी बिसाहू लाल सिंह ने 77110 मत पाकर 20419 वोटो से कांग्रेस प्रत्याशी रमेश कुमार सिंह को पराजित किया। वही कांग्रेस के रमेश कुमार सिंह को 56691 मत मिले।

कोतमा का परिणाम

कोतमा विधानसभा क्षेत्र से दिलीप जायसवाल ने 65 हजार 818 मत प्रकार 22 हजार 788 वोटो से कांग्रेस प्रत्याशी सुनील सराफ को हराया। वही कांग्रेस प्रत्याशी सुनील सराफ को 43 हजार 030 मत मिले।

पुष्पराजगढ़ का परिणाम

पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी फुंदेलाल सिंह मार्को ने 67 हजार 105 मत पाकर 3884 वोटो से भाजपा प्रत्याशी हीरा सिंह श्याम को हराया। वहीं भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी हीरा सिंह श्याम को 63 हजार 221 मत मिले।

लाडली बहना का दिखा कमाल : मतगणना पूर्व विधानसभा क्षेत्र कोतमा में यह कयास लगाया जा रहा था कि जीत का अंतर दो हजार से पाच हजार के बीच ही रहेगा परंतु इस प्रचंड जीत का अंदाजा शायद भारतीय जनता पार्टी को भी ना रहा हो भारतीय जनता पार्टी के प्रचंड जीत के लिए शिवराज सरकार की लाडली बहन योजना एवं सुनील सराफ के हिटलर शाही रवैया के कारण कांग्रेस कार्यकर्ताओं में सुनील सराफ का भारी विरोध भी माना जा रहा है।

वर्ष 2013 एवं वर्ष 2018 में गवाए गए वोट भी लिए वापस : भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की माने तो कोतमा विधानसभा में 10 वर्षो के वनवास के बाद 2013 एवं 2018 में जो वोट कांग्रेस के खाते में चले गए थे उन दोनों को इकट्ठा शूद समेत वापस भाजपा अपने खाते में पाने से भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर देखने को मिल रही है।

सुनील सराफ का हिटलर शाही एवं अडियल रवैया बना हार का मुख्य कारण

लोगों की माने तो कोतमा विधानसभा के विधायक सुनील सराफ को अपने हिटलर शाही एवं एरियल रवैया के कारण कांग्रेस कार्यकर्ताओं में काफी रोस देखा जा रहा था जिस कारण से कांग्रेस पार्टी के कई नेता जो कि कोतमा विधानसभा से सुनील सराफ की टिकट मिलने के पहले से ही जी 23 नाम का एक गुट बनाकर लगातार सुनील सराफ के टिकट की विरोध करते रहे। और टिकट मिलने के बाद पूरी तरह से कांग्रेस प्रत्याशी को हराने के लिए अपना दम खम दिखाएं और अब कहीं ना कहीं कांग्रेस के नेतागण कांग्रेस प्रत्याशी को हरा कर दिलीप जायसवाल की जीत का के लिए श्रेय लेने में भी लगे हुए हैं। वर्ष 2018 में ठीक इसी तरह का समीकरण सुनील सराफ के विजई होने पर भी बना था।

शिवराज ने रचा इतिहास

भोपाल । अगर संयोग ठीक रहा और मुकद्दर ने साथ दिया तो मध्य प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एक बार फिर इतिहास रचेंगे। यह इतिहास ऐसा होगा कि वे राज्य के पहले ऐसे जननायक नेता होंगे जो पांचवीं बार भारतीय जनता पार्टी से मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालेंगे। उड़ीसा बिहार और पश्चिम बंगाल को छोड़ दे तो कहीं भी पांचवीं बार लगातार कोई नेता मुख्यमंत्री नहीं रहा है। आज शिवराज यह इतिहास दोहराने जा रहे हैं। हालांकि राजनीति एक ऐसा कच्चा धागा है जिससे जोड़े गए संबंध कभी भी टूटने की भी प्रबल संभावनाएं होती है। अब मतगणना के बाद यही कयास लगाये जा रहे है कि आखिर इस बार सत्ता की चाबी किसके हाथ होगी।

लोकतंत्र में जिस जनता को जनार्दन कहा गया है उसने मध्य प्रदेश में सत्ता की कुर्सी पर किसी भी दल के एक भी नेता को चार बार मुख्यमंत्री कुर्सी पर बैठने का अवसर प्रदान नहीं किया है। इस बार यदि भाजपा को जनता ने बहुमत दिया और संयोग बना तो शिवराज सिंह चौहान इतिहास रच सकते हैं। वे पहले ऐसे नेता होंगे जो पांचवी बार मुख्यमंत्री बनकर सत्ता की ऐतिहासिक पारी खेलेंगे। आजादी के बाद सन 1956 से अभी तक जनता ने कांग्रेस के 22 नेताओं को मुख्यमंत्री बनाया। जिसमें श्यामा चरण शुक्ल और अर्जुन सिंह ने सर्वाधिक तीन-तीन बार यह पद संभाला। मध्य प्रदेश में मौजूदा विधानसभा चुनाव की मतगणना के पूर्व यह चर्चाएं फिर प्रबल हुई है।

धार नव निर्वाचित विधायक वर्मा ने विजय होने पर आभार रैली निकाली, हम कभी आपका विश्वास नहीं टूटने देंगे

धार। धार विधानसभा की विजय रैली में नवनिर्वाचित विधायक श्रीमती नीना विक्रम वर्मा जी द्वारा धार विधानसभा सहित नगर की जनता, कार्यकर्ताओ के साधुवाद और आभार स्वरूप भाजपा धार नगर द्वारा ऐतिहासिक आभार रैली निकाली गई जिसमें नगर भाजपा कार्यलय मायापुरी से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए आनंद चौपाटी पर पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री विक्रम वर्मा व नव निर्वाचित विधायक श्रीमती नीना वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमनी,डॉ शरद विजयवर्गीय,नरेश राजपुरोहित ने आयोजित जनसभा को संबोधित कर समापन किया गया। नवनिर्वाचित विधायक श्रीमती नीना विक्रम वर्मा ने कहा कि भाजपा की नीतियों, प्रदेश सरकार के कार्यों और मोदी जी के प्रति प्रदेश और देश की जनता का अटूट विश्वास है। ये चुनाव भाजपा के वादों और कार्यों तथा कांग्रेस की नीतियों व उसके कारनामों के बीच थे जिसमें जनता ने अपनी प्रखर अभिव्यक्ति इन चुनाव में भाजपा को विजयी बनाकर की है।

विजय हमारे कार्यकर्ताओं का अथक परिश्रम, वरिष्ठों का मार्गदर्शन, प्रदेश सरकार के कार्यों के साथ ही मोदी जी के प्रति जन जन के आस्था और विश्वास की विजय है। यह सुशासन, जनसेवा, गरीब, वंचित, दलित, किसान, मजदूर आदीवासी भाईयों, महिला, युवा सहित सर्वाहारा वर्ग के कल्याण की जीत है। हम कभी आपके विश्वास नहीं टूटने देंगे। धार के विकास को और गति मिलेंगी।

विजय रैली में भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी पूर्व जिला अध्यक्ष प्रभु राठौड़ जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़ भाजपा नेता प्रकाश जैन,डॉ शरद विजयवर्गीय,अनिल जैन, संजय वैष्णव उमेश गुप्ता अशोक जैन विश्वास पांडे नरेश राजपुरोहित,बसंतीलालजैन,दीपक बिड़कर, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी मंडल अध्यक्ष क्रमश: विपिन राठौर नितेश अग्रवाल अमित पाटीदार नारायण पटेल गणेश जायसवाल,पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती ममता जोशी,उपाध्यक्ष कालीचरण सोनवानिया,सन्नी राठौर,जगदीश जाट,राजेश हरोड़,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कुसुम सौलंकी,अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा,महेश रावला,जीवन रघुवंशी,संजय मुकाती ,मोहित तातेड़ देवेंद्र रावल हुकुम लश्करी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

जिला अनूपपुर के चौकी फुनगा द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा

परिवहन करते बुलेरो पिकअप वाहन सहित कुल 478 किग्रा. गांजा कुल मशरूका 65,38,400/- पुलिस टीम ने किया जप्त

अनूपपुर। अति.पुलिस महानिदेशक शहडोल जोन श्री डी.सी.सागर के मार्गदर्शन एवं उप पुलिस महानिरीक्षक शहडोल रेंज सुश्री सविता सोहाने के दिशा-निर्देशन में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री जितेन्द्र सिंह पवांर के निर्देशन में अनूपपुर पुलिस द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध विगत माहों से मादक पदार्थो के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है।

इसी अनुक्रम में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ अज्ञात व्यक्ति सफेद रंग की बुलेरो पिकअप वाहन में मिनरल वॉटर की बॉटल से छिपा कर अवैध मादक पदार्थ गांजा कोतमा से अनूपपुर की ओर जाने वाले है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री जितेन्द्र सिंह पवांर द्वारा चौकी प्रभारी फुनगा उनि.सुमित कौशिक के नेतृत्व में थाना भालूमाड़ा, थाना कोतमा एवं चौकी फुनगा की पुलिस टीम को तैनात कर छत्तीसगढ़ की ओर से आने वाले मार्ग में लगातार निगाह रखी जाकर घेराबंदी कर चेकिंग करने हेतु निर्देशित किया गया था।

पुलिस टीम के साथ कोतमा से अनूपपुर जाने वाले मार्ग में औद्योगिक केन्द्र कदमटोला के पास एनएच 43 पर घेराबंदी कर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान कोतमा की ओर से एक अज्ञात वाहन आता हुआ दिखाई दिया पिकअप वाहन को पुलिस टीम के द्वारा रुकने का संकेत देने पर वाहन चालक द्वारा वाहन को कुछ दूरी पर रोड के किनारे वाहन को छोड़कर झाड़ियों, जंगल एवं गोड़ारु नदी के गढ्ढ़ों के रास्ते फरार हो गये। पुलिस टीम के द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर पिकअप वाहन में मिनरल वाटर के बॉटन थे जिन्हे हटाने पर 15 प्लास्टिक की बोरे में कुल 478 किग्रा. अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती लगभग 57, 38,400/-रु. एवं वाहन की कीमत लगभग 08 लाख रुपये कुल मशरूका 65,38,400/- चौकी फुनगा की पुलिस टीम के द्वारा जप्त किया गया। उपरोक्त घटना पर थाना भालूमाड़ा में अपराध क्र. 500/23 धारा 8/20बी एन.डी. पी.एस. एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण अनुसंधान में लिया गया है। उक्त अवैध गांजा कहाॅ से लाया गया था व कहाॅ लेकर जाया जा रहा था, इस संबंध में अनुसंधान जारी है। वर्तमान में अवैध मादक पदार्थ के परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन में सवार वाहन चालक एवं एक अन्य फरार आरोपियों तथा पिकअप वाहन के मालिक की तलाश जारी है।

उक्त प्रकरण में फरार दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु अति.पुलिस महानिदेशक शहडोल जोन श्री डी.सी.सागर द्वारा 30,000/-रु. के नगद ईनाम उद्घोषित किया गया है।

जमीन विवाद में वृद्ध से मारपीट करने वाले आरोपीगण को सात -सात वर्ष का सश्रम कारावास

धार। सरदारपुर के द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश महोदय ने गुरुवार को जमीन विवाद में वृद्ध व्यक्ति से मारपीट कर क्षति पहुंचाने वाले अभियुक्तों को कारावास तथा जुर्माने का दण्डादेश सुनाया है। न्यायालय ने अभियुक्त कालू पिता नानाजी (65) , सगीबाई पति कालू (60) तथा सावरियां उर्फ सांवर सिंह पिता कालू (27) सभी निवासीगण ग्राम छड़ावद,थाना राजगढ़, तहसील सरदारपुर को सात-सात वर्ष के सश्रम कारावास तथा जुर्माने से दंडित किया है ! प्रकरण में अभियोजन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक वीरेंद्र शर्मा ने की ।

अभियोजन का अभियोग संक्षिप्त में इस प्रकार था कि दि 21अक्टूबर 2019 को फरियादी महेश पिता बाबूलाल निवासी - झाबुआ ने थाना राजगढ पर यह प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह तथा उसके पिता बाबूलाल राठौर झाबुआ में रहते हैं तथा ग्राम छड़ावद में उनके पैतृक भूमि है जिस पर वह खेती करते हैं घटना वाले दिन जब वह अपने खेत पर सोयाबीन की कटाई करवाने के लिए झाबुआ से ग्राम छड़ावद आए थे तो पुराने जमीन के विवाद के चलते आरोपी कालू पिता नाना सोलंकी ने उसके पिता को अश्लील गालियां दी थी और खेत पर नहीं आने की धमकी दी और इसी बीच आरोपी कालू के पुत्र सांवरिया उर्फ सावर सिंह ने जान से मारने की नीयत से बाबूलाल के साथ मारपीट की थी तथा आरोपी कालू की पत्नी सगीबाई ने भी बाबूलाल पर पत्थरों से हमला किया ।जिससे फरियादी के पिता बाबूलाल गंभीर रूप से घायल हो गए थे । पुलिस ने भादवि की अपराधिक धाराओं में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया । आरोपीगण को गिरफ्तार किया तथा अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया । अभियोजन की ओर से न्यायालय मे 12 साक्षीयों के कथन करवाये गए। न्यायालय ने अभियोजन की साक्ष्य को विश्वसनीय मानते हुए तीनों अभियुक्तगणों को सात -सात वर्ष के सश्रम कारावास तथा पाँच - पाँच हजार रु के अर्थ दंड से पृथक-पृथक दंडित किये जाने का दंडादेश सुनाया । तथा अर्थ दंड अदा ना किए जाने की दशा में छ = माह का अतिरिक्त कारावास भुगताएं जाने का आदेश भी प्रदान किया।

गणना के दौरान यह सुनने को मिला जीत का परचम लहराया

राजेंद्र मंडलोई बड़वानी से कांग्रेस की जीत पर भाजपा की हर

दिलीप शुक्ला खास रिपोर्ट

बड़वानी । प्राप्त जानकारी और जन चर्चा का विषय पर यह बात सुनने को मिली कि सन 2003 के बाद से पशुपालन मंत्री जो भी बना दोबारा विधानसभा नहीं जा पाया 2003 में उमा भारती के पास पशुपालन विभाग था जो झंडा कांड में बाहर हो गई 2004 में बाबूलाल गौर बने वह भी नही रहे 2008 में रमाकांत तिवारी बने वहभी हार गये ,जुगल किशोर बागड़ी बने वह हारे ,राम कृष्ण कुसमरिया बने वह हार गये, अर्चना चिटनिस बनी वह भी हार गई,अजय बिश्नोई बने वह हारे, कुसुम मेंहदेले बनी टिकट नहीं मिला ,अंतर सिंह आर्य 1918 में हारे। लाखन सिंह यादव कांग्रेस से बने वह भी ओर प्रेम सिंह पटेल 2023 में हार गये इस प्रकार जो भी पशुपालन मंत्री बना दोबारा विधानसभा का चुनाव नहीं जीत पाया ।

हार जीत का आंकड़ा : मध्यप्रदेश बड़वानी विधानसभा से कैबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल लगभग 138 37 मतों से चुनाव हारे राजोद मंडलोई के मिले कल मत 75325 प्रेम सिंह पटेल को मिले 61488

यह रहे विजेता : राजपुर से कांग्रेस प्रत्याशी बाला बच्चन ने अपनी जीत सुनिश्चित की है ! वहीं दूसरी ओर सेंधवा से मोंटू सोलंकी कांग्रेस से अपनी जीत सुनिश्चित की है !और पानसेमल से श्याम बर्डे भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी रहे इन्होंने जीत हासिल की है

कलेक्टर अवि प्रसाद ने शांतिपूर्ण और निर्विघ्न मतगणना संपन्न होने पर टीम कटनी को सराहा, दी शाबाशी

राजनैतिक दलों ,मतगणना कर्मियों,प्रत्याशियों और मीडिया कर्मियों के प्रति जताया आभार

कटनी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवि प्रसाद ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत जिले की चारों विधानसभाओं की रविवार को कृषि उपज मंडी प्रांगण पहरुआ में शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न मतगणना कार्य संपादित एवं संपन्न कराने के लिए टीम कटनी के योगदान की सराहना करते हुए शाबाशी दी है। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों- कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों , मीडियाकर्मियों और राजनैतिक दलों सहित जिले के नागरिकों से मिले सहयोग के प्रति आभार जताया है।

कलेक्टर श्री प्रसाद ने कहा कि सभी की कड़ी मेहनत की वजह से विधानसभा चुनाव का अंतिम चरण मतगणना के साथ ही शांतिपूर्ण ढंग से पूरा हो गया है।उन्होंने कहा कि मतगणना कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ ?व्यवस्थित और सुचारू रुप से मतगणना संपन्न कराने में अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का कुशलता से निर्वहन किया। वहीं सुरक्षा कर्मियों द्वारा भी सुरक्षा जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया गया। साथ ही चिकित्सकों और पैरा मेडिकल स्टाफ ने भी सराहनीय कार्य किया है।

जिले के नागरिकों ने पूरे सहयोग के साथ मतदान करने सहित निर्वाचन व्यवस्थाओं में भी शानदार सहभागिता निभाई। मतदान में हिस्सा लेकर मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के महायज्ञ में पूर्णाहुति दी।साथ ही नए मतदाताओं ने भी पहली बार मताधिकार का प्रयोग करने में बढ़- चढक़र हिस्सा लिया। वहीं महिलाओं की सक्रिय सहभागिता रही। वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों ने भी उमंग और उत्साह से मतदान किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने स्वीप गतिविधियों के समाचारों के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने में रचनात्मक भूमिका निभाई।साथ ही स्काउट-गाईड, एनसीसी एवं एनएसएस के छात्रों द्वारा मतदान के समय उपयोगी भूमिका निभाई गई, जो सराहनीय है।

मतदान दलों को लाने-ले जाने और अन्य कार्यों में लगे वाहन चालकों के सहयोग के बिना यह निर्वाचन कार्य भली-भांति संपादित नहीं हो पाता, इनके पूर्ण समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठ होने के फलस्वरूप यह कार्य संपादित हुआ है, इसके लिए सभी वाहन चालक भी बधाई के पात्र हैं। इसके अलावा स्वसहायता समूह, सामाजिक संगठनों सहित अन्य सभी संस्थाओं ने भी अपनी सक्रिय भूमिका अदा की ।

ज्ञातव्य हो कि कटनी की चारों विधानसभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने भगवा लहरा कर इतिहास रच दिया है।कटनी (मुड़वारा)की सीट पर श्री संदीप श्रीप्रसाद जायसवाल,,,, विजयराघवगढ़ से श्री संजय सत्येंद्र पाठक,,,बहोरीबंद रीठी से प्रणय प्रभात. पांडेय और बड़वारा से धीरेन्द्र सिंह ने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के उम्मीदवारों को भारी मतों से हराया।

एजेंसी देनी

शासन प्रशासन एवं जन-जन की आवाज बनकर प्राथमिकता से खबरों में आपके के बीच 15 वर्षों से लगातार अग्रसर

क्षेत्र में एजेंसी देनी है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. नं 19 जिंसी जहांगीराबाद, भोपाल,मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9 , जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संवादक-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो -9893798715